दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्ष: 21, अंक: 269 ■ दमण, मंगलवार 14, जुलाई 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन की ऐतिहासिक उपलब्धि

■ परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) 2025-26 में देशभर में द्वितीय स्थान, दीव जिला बना भारत का सर्वश्रेष्ठ जिला

दादरा नगर हवेली और दमण-दीव का PGI प्रदर्शन विश्लेषण

शैक्षणिक वर्ष	PGI स्कोर	ग्रेड	विश्लेषण
2017-18	आधार वर्ष (मूल PGI)	मध्यम प्रदर्शन	मूल PGI ढाँचे के अंतर्गत प्रारम्भिक आधार निर्धारित किया गया।
2018-19	सुधार	पूर्व वर्ष से बेहतर	सुशासन एवं विद्यालयी आधारभूत संरचना में उल्लेखनीय सुधार।
2019-20	निरंतर सुधार	उच्च प्रदर्शन	विभिन्न शैक्षिक संकेतकों में निरंतर प्रगति।
2020-21	स्थिर प्रदर्शन	उच्च प्रदर्शन	कोविड - 19 महामारी के बावजूद उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखा।
2021-22	स्थिर / बेहतर	उच्च प्रदर्शन	PGI 2.0 लागू होने से पूर्व मजबूत प्रदर्शन।
2022-23	586.6	प्रचेष्टा- 3	संशोधित संकेतकों एवं नई मूल्यांकन प्रणाली के कारण पूर्व वर्षों से प्रत्यक्ष तुलना संभव नहीं।
2023-24	592.2	प्रचेष्टा - 3	PGI 2.0 के अंतर्गत एक मजबूत प्रदर्शन करने वाले केन्द्र शासित प्रदेश के रूप में स्थापित ।
2024-25	683.2	प्रचेष्टा- 1	पिछले वर्ष की तुलना में 91 अंकों की वृद्धि राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में सर्वाधिक सुधारों में से एक तथा अखिल भारतीय चौथा स्थान।
2025-26	723.8	प्रचेष्टा- 1	पिछले वर्ष की तुलना में 40.6 अंकों की वृद्धि। राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में सर्वाधिक सुधारों में से एक तथा अखिल भारतीय द्वितीय स्थान।

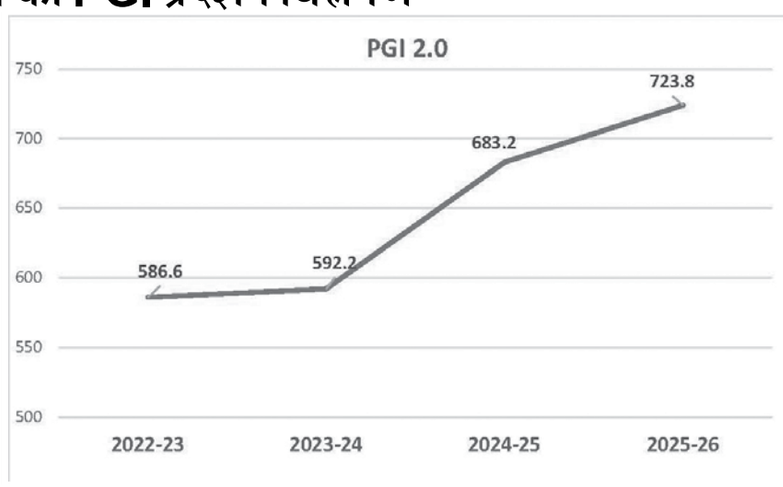

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 13 जुलाई।

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हाल ही में जारी परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (Performance Grading Index) 2025-26 के परिणामों में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 723.8 अंकों के साथ पूरे देश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। यह गौरवपूर्ण उपलब्धि प्रशासक प्रफुल पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व, प्रभावी नीतियों तथा शिक्षा के क्षेत्र में सतत सुधार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष परिणाम है। उनके मार्गदर्शन में केंद्र शासित प्रदेश ने शिक्षा व्यवस्था में निरंतर सुधार करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इस वर्ष की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि भारत के 784 जिलों में से दीव जिले ने प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे देश में सर्वोच्च रैंक हासिल की है। वहीं दादरा नगर हवेली जिला 31वें तथा दमण जिला 54वें स्थान पर रहा। यह उपलब्धि प्रदेश की समग्र एवं संतुलित शैक्षिक प्रगति को दर्शाती है। वर्ष 2024-25 की तुलना में केंद्र शासित प्रदेश ने PGI स्कोर में 40.6 अंकों का उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है, जो शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर हो रहे सकारात्मक बदलाव का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा तंत्र का मूल्यांकन 6 प्रमुख श्रेणियों शिक्षण परिणाम, प्रभावी कक्षा शिक्षण एवं अधिगम, आधारभूत संरचना, सुविधाएँ एवं विद्यार्थियों के अधिकार / पात्रताएँ, विद्यालय सुरक्षा एवं बाल संरक्षण, डिजिटल अधिगम तथा सुशासन एवं प्रशासन के आधार पर करता है। Performance Grading Index भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के स्कूली शिक्षा तंत्र के प्रदर्शन का समग्र मूल्यांकन करने हेतु विकसित एक प्रमुख सूचकांक है। इसके माध्यम से अधिगम परिणाम, विद्यालयी आधारभूत संरचना, समानता, शासन एवं प्रबंधन, शिक्षक शिक्षा तथा डिजिटल पहल सहित विभिन्न आयामों का मूल्यांकन किया जाता है। दादरा नगर हवेली तथा दमण-दीव ने पिछले नौ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। प्रशासक के दूरदर्शी नेतृत्व, शिक्षा विभाग के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण सुधारों के परिणामस्वरूप संघ प्रदेश ने वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संघ प्रदेश ने हाल के समय में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार दो राष्ट्रीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। पहली, PARAKH राष्ट्रीय शैक्षिक सर्वेक्षण में देशभर में पाँचवाँ स्थान तथा दूसरी, PGI 2025-26 में अखिल भारतीय स्तर पर दूसरा स्थान। ये उपलब्धियाँ प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में किए गए प्रभावी सुधारों एवं उत्कृष्ट कार्यप्रणाली की पुष्टि करती हैं। यह सफलता दादरा नगर हवेली और दमण-दीव एवं लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल के सशक्त नेतृत्व, दूरदर्शी सोच तथा शिक्षा क्षेत्र को उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के उनके सतत प्रयासों का परिणाम है। प्रशासन गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं भविष्य उन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है और आने वाले वर्षों में भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने हेतु प्रयासरत रहेगा। पिछले नौ सालों में परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) का तुलनात्मक विश्लेषण अत्यंत ही सुधारात्मक है।

वर्ष 2017-18 से 2025-26 तक की यात्रा शिक्षा के क्षेत्र में सतत सुधार, प्रभावी योजना, गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन तथा परिणामोन्मुख प्रशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है। अधिगम परिणामों, शिक्षक क्षमता विकास, डिजिटल शिक्षा, आधारभूत संरचना तथा सुशासन में किए गए सुधारों के फलस्वरूप दादरा नगर हवेली और दमण-दीव आज देश के अग्रणी केन्द्र शासित प्रदेशों में शामिल हो चुका है।

प्रशासक प्रफुल पटेल ने नवनिर्मित नमो एयरपोर्ट का किया निरीक्षण

■ 16 जुलाई 2026 को दमण से नई दिल्ली के लिए प्रस्तावित प्रथम वाणिज्यिक उड़ान के शुभारंभ की तैयारियों की समीक्षा के मद्देनजर किया गया निरीक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 13 जुलाई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल ने आज हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित दमण के नमो एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण 16 जुलाई 2026 को दमण से नई दिल्ली के लिए प्रस्तावित प्रथम वाणिज्यिक उड़ान के शुभारंभ की तैयारियों की समीक्षा के उद्देश्य से किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रशासक प्रफुल पटेल ने एयरपोर्ट टर्मिनल, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, चेक-इन काउंटर, आगमन एवं प्रस्थान क्षेत्र सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यात्रियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं समयबद्ध एवं सुचारु रूप से उपलब्ध कराने तथा उद्घाटन उड़ान के सफल संचालन हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रशासक प्रफुल पटेल ने कहा कि नमो एयरपोर्ट दमण का संचालन क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस एयरपोर्ट के प्रारंभ होने से दमण की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली सहित देश के अन्य प्रमुख शहरों से हवाई संपर्क को नई गति मिलेगी, जिससे पर्यटन, व्यापार, निवेश एवं आर्थिक गतिविधियों को व्यापक प्रोत्साहन प्राप्त होगा। उल्लेखनीय है कि नमो एयरपोर्ट, दमण का उद्घाटन हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। अब 16 जुलाई 2026 से दमण और नई दिल्ली के बीच प्रथम वाणिज्यिक उड़ान के संचालन के साथ यह एयरपोर्ट क्षेत्र की कनेक्टिविटी और समग्र विकास में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा।

असली आज़ादी

मंगलवार, 14 जुलाई 2026, दमण।

बीएसएफ की सतर्कता से कठुआ में नाकाम हुई घुसपैठ की कोशिश

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए एक पाकिस्तानी घुसपैठिए की भारतीय सीमा में प्रवेश की कोशिश को नाकाम कर दिया। बीएसएफ की चेतावनी और चेतावनी स्वरूप की गई फायरिंग के बाद घुसपैठिया वापस पाकिस्तान की ओर भाग गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, रविवार शाम कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर के बोबिया क्षेत्र में बीएसएफ के जवान नियमित निगरानी के दौरान सीमा पर संदिग्ध गतिविधि देख रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र की ओर बढ़ने का प्रयास करते हुए देखा गया। जवानों ने तत्काल उसे रुकने की चेतावनी दी। बताया गया कि चेतावनी के बावजूद संदिग्ध व्यक्ति सीमा पर लगी सुरक्षा बाड़ की ओर लगातार बढ़ता रहा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बीएसएफ के जवानों ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए चेतावनी स्वरूप कुछ गोलियां चलाईं। फायरिंग की आवाज सुनते ही घुसपैठिया घबरा गया और तुरंत वापस पाकिस्तान की ओर भाग निकला। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई। बीएसएफ ने सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है तथा आसपास के क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी अन्य घुसपैठ की कोशिश या संदिग्ध गतिविधि की संभावना न रहे। सुरक्षा एजेंसियां घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी रखी जा रही है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में समय-समय पर घुसपैठ की कोशिशें होती रही हैं, जिन्हें बीएसएफ और अन्य सुरक्षा बल अपनी सतर्कता और प्रभावी निगरानी के जरिए लगातार विफल करते रहे हैं। इस ताजा घटना ने एक बार फिर सीमा पर तैनात जवानों की मुस्तैदी और त्वरित प्रतिक्रिया को रेखांकित किया है।

कमजोर पड़ा मानसून, 372 जिले बारिश की कमी से प्रभावित; खरीफ फसलों पर बढ़ा संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में मानसून की रफ्तार एक बार फिर धीमी पड़ गई है, जिससे कृषि क्षेत्र की चिंता बढ़ गई है। ताजा स्थिति के अनुसार देश के 372 जिले सामान्य से कम वर्षा की मार झेल रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर वर्षा की कमी बढ़कर 19 प्रतिशत तक पहुंच गई है। कमजोर बारिश का सबसे अधिक असर खरीफ फसलों की बुआई पर पड़ रहा है और किसानों की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्थिति को गंभीर मानते हुए 14 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक करने का फैसला किया है। बैठक में वर्षा की कमी वाले क्षेत्रों की स्थिति, फसलों पर पड़ रहे प्रभाव और किसानों को राहत देने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही राज्यों को वैकल्पिक फसलें अपनाने और कृषि सलाह को गांव-गांव तक पहुंचाने के निर्देश दिए जा सकते हैं। बारिश में कमी के कारण धान, सोयाबीन, कपास, मक्का और अन्य खरीफ फसलों की बुआई पिछले वर्ष की तुलना में पीछे चल रही है। कृषि मंत्रालय लगातार राज्यों से जानकारी जुटा रहा है और हालात पर नजर बनाए हुए है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में कुछ इलाकों में बारिश की संभावना है, लेकिन इससे पूरे देश में वर्षा की कमी की भरपाई होने की उम्मीद कम है। सरकार का कहना है कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। वर्षा की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित राज्यों को अतिरिक्त सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि कमजोर मानसून का असर खेती और खाद्य उत्पादन पर न्यूनतम रहे।

सुप्रीम कोर्ट में छलका सहारा निवेशक का दर्द, महिला बोली- पति की मौत हो गई, अब तो हमारी जमा पूंजी दिला दीजिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सहारा समूह में वर्षों पहले निवेश करने वाले लाखों लोगों की उम्मीदें एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में लगी रहीं। सुनवाई के दौरान एक महिला निवेशक भावुक हो गई और अदालत से हाथ जोड़कर अपनी जमा पूंजी वापस दिलाने की गुहार लगाई। महिला ने कहा कि उसके पति का निधन हो चुका है और परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है। उसने अदालत से कहा कि जीवनभर की बचत सहारा में फंसी हुई है, अब न्याय दिलाया जाए। महिला की भावुक अपील सुनकर अदालत ने उसकी बात सुनी और कहा कि ऐसे मामलों में निवेशकों की परेशानी को समझा जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सहारा से जुड़े मामलों और निवेशकों के भुगतान की प्रक्रिया पर पहले से सुनवाई चल रही है तथा इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सहारा प्रकरण लंबे समय से न्यायिक प्रक्रिया में है। वर्ष 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह की दो कंपनियों को निवेशकों का पैसा लौटाने का आदेश दिया था। इसके बाद भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास जमा राशि से पात्र निवेशकों को भुगतान की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन बड़ी संख्या में निवेशक अब भी अपनी रकम मिलने का इंतजार कर रहे हैं। मौजूदा सुनवाई के दौरान अदालत के सामने निवेशकों की परेशानियां फिर प्रमुखता से सामने आईं। अदालत ने संकेत दिया कि लंबित मामलों के साथ निवेशकों के हितों पर भी विचार किया जाएगा। सहारा में निवेश करने वाले लाखों लोगों की नजर अब अदालत के अगले आदेश पर टिकी है, जिससे वर्षों से फंसी उनकी मेहनत की कमाई वापस मिलने की उम्मीद बनी हुई है।

फडणवीस बने महाराष्ट्र के तीसरे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सीएम, शरद पवार का रिकॉर्ड टूटा

मुंबई (एजेंसी)।(महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। वे तीन कार्यकालों को मिलाकर अब राज्य में तीसरे सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री के पद पर रहने वाले नेता बने हैं। इस मामले में उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक शरद पवार के कुल कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जनवरी 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, सीएम फडणवीस कुल 2,430 दिनों (लगभग छह साल और सात महीने) तक मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाल चुके हैं, जबकि पवार ने चार अलग-अलग कार्यकालों में कुल 2,412 दिनों तक राज्य की कमान संभाली थी।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें तेज: शाह-यादव से जुड़ी घटनाओं से हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में कैबिनेट विस्तार या बड़े राजनीतिक फैसलों का अनुमान लगाना मुश्किल है, क्योंकि उनकी रणनीतिक योजनाएं अत्यंत गोपनीय रहती हैं। हालांकि, हाल की दो घटनाओं ने मानसून सत्र से पहले संभावित कैबिनेट फेरबदल की अटकलों को हवा दी है।

पहली घटना केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा इंटेलिजेंस ब्यूरो के निवर्तमान डायरेक्टर तपन डेका के सम्मान में आयोजित डिनर है। एक दुर्लभ सार्वजनिक कदम उठाकर केंद्रीय मंत्री शाह ने एक्स पर डेका की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम की तस्वीरें साझा कीं। इससे अटकलें हैं कि डेका को सेवानिवृत्ति के बाद जम्मू-कश्मीर से जुड़ी कोई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे वर्तमान लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना बढ़ती है।

दूसरी अहम घटना केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में अचानक हुए प्रशासनिक फेरबदल से जुड़ी है, जिसमें उनके चार अहम निजी सहयोगियों को हटाया गया। केंद्रीय मंत्री यादव को बीजेपी के प्रमुख रणनीतिकार और संगठन से जुड़े अहम व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जिनका प्रभाव उनकी मंत्री पद की जिम्मेदारियों से कहीं अधिक है। इस अप्रत्याशित कदम ने राजनीतिक और नौकरशाही हलकों में हलचल मचा दी है। विपक्षी कांग्रेस ने, पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश के नेतृत्व में, सरकार पर कुशासन और यादव के मंत्रालय में बड़े घोटाले का आरोप लगाया है। यह घटना किसी बड़े बदलाव का संकेत है या मात्र एक प्रशासनिक कदम, यह देखना बाकी है, लेकिन इससे यादव को लेकर अटकलें तेज कर दी हैं।

हालांकि, सूत्रों का कहना है कि संसद के मॉनसून सत्र (20 जुलाई से पहले) में कैबिनेट में फेरबदल की संभावना कम है। सरकार का मुख्य ध्यान विधायी कार्यों पर है और प्रधानमंत्री का शेड्यूल भी बहुत व्यस्त है। 20 जुलाई से पहले विस्तार होने पर नए मंत्रियों के पास सत्र की तैयारी के लिए कम समय होगा। इसके बावजूद, सत्र से ठीक पहले भी फेरबदल के उदाहरण रहे हैं, जैसे जुलाई 2021 में कई वरिष्ठ मंत्रियों को हटाकर नए चेहरों को शामिल किया गया था।

डीएम कार्यालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, परिसर में सघन तलाशी अभियान जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के ग्रेटर नोएडा से सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) कार्यालय को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी भरे संदेश के मिलते ही प्रशासनिक महकमे और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आई और अधिकारियों व आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे कलेक्ट्रेट परिसर को छावनी में बदल दिया गया। सुरक्षा के तय मानकों के तहत आनन-फानन में बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस), डॉग स्क्वाड, फायर ब्रिगेड और एंटी-सबोटेज टीमों को मौके पर बुलाया गया। इन संयुक्त सुरक्षा एजेंसियों ने डीएम कार्यालय की गहन तलाशी ली। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अब तक की जांच में परिसर के भीतर कोई भी संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई है, जिससे प्रशासन ने राहत की सांस ली है। हालांकि, एहतियात के तौर पर पूरे कार्यालय और उसके आस-पास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। दूसरी ओर, पुलिस की साइबर सेल ने धमकी भरे ईमेल की तकनीकी जांच शुरू कर दी है। डिजिटल सबूतों और आईपी एड्रेस को खंगाला जा रहा है, ताकि पता लगा सके कि यह ईमेल कहां से भेजा गया था और इसके पीछे किसका हाथ है। गौरतलब है कि हाल ही में दिल्ली पुलिस ने गाजियाबाद से एक मानसिक रूप से बीमार युवक को गिरफ्तार किया था, जिसने इसरो और एनआईए जैसे प्रमुख संस्थानों को ऐसी ही झूठी धमकियां भेजी थीं। फिलहाल, पुलिस इस मामले को भी गंभीरता से लेकर हर पहलू की बारीकी से तफ्तीश कर रही है।

बद्रीनाथ दान चोरी: एसआईटी ने प्रमोद नौटियाल को किया गिरफ्तार

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे और दान की धनराशि में हुई गंभीर गड़बड़ी के मामले में आखिरकार बड़ी कार्रवाई की गई है। इस प्रकरण में जांच कर रही एसआईटी (विशेष जांच दल) ने आरोपी अधिकारी प्रमोद नौटियाल को गिरफ्तार कर लिया है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एसआईटी की टीम ने प्रमोद नौटियाल को बीते 12 जुलाई की रात लगभग 8ः00 बजे देहरादून से हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद नौटियाल को पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बद्रीनाथ लाया गया है। गौरतलब है कि बद्रीनाथ धाम में दान के पैसों में हेराफेरी का यह संवेदनशील मामला बीते 2 जुलाई को पहली बार प्रकाश में आया था, जिसे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बेहद गंभीरता से लिया और तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दिए थे।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, एसआईटी अब अन्य संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है और आने वाले समय में इस प्रकरण में कई और लोगों पर भी शिकंजा कसने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, इस पूरे विवाद की आंतरिक जांच कर रही बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की एक चार सदस्यीय टीम भी आज अपनी जांच रिपोर्ट सौंप सकती है। इस टीम ने बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा और दान की धनराशि में हुई कथित गड़बड़ी की गहराई से पड़ताल की है। बीकेटीसी की यह विस्तृत रिपोर्ट सीसीटीवी फुटेज और संबंधित कर्मचारियों के लिखित बयानों सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों पर आधारित होगी। यह प्रकरण विशेष रूप से बीते 2 जुलाई को चढ़ावा गणना के दौरान हुई हेरफेर से संबंधित बताया जा रहा है, जिसने मंदिर की पवित्रता और श्रद्धालुओं की आस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे। दरअसल, यह पूरा मामला तब सामने आया जब सोशल मीडिया पर एक कथित लेटर तेजी से वायरल हो गया। इस लेटर के सामने आते ही पूरे देवभूमि उत्तराखंड में बवाल मच गया और विपक्षी दलों ने राज्य सरकार को इस मुद्दे पर घेरना शुरू कर दिया था। वायरल हुए इस लेटर में बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के कर्मचारियों पर मंदिर के भीतर आने वाले दान और चढ़ावे की रकम में हेरफेर करने के बेहद गंभीर आरोप लगाए गए थे। करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े इस पावन धाम में कथित गड़बड़ी की खबर आग की तरह फैलते ही तीर्थ पुरोहितों, स्थानीय हक-हकूकधारियों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक में जबरदस्त उबाल आ गया था। श्रद्धालुओं के बीच भी यह खबर चिंता का विषय बन गई थी। एसआईटी द्वारा की गई यह पहली गिरफ्तारी इस बात का संकेत है कि जांच एजेंसियां इस मामले को गंभीरता से ले रही हैं और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। अब सबकी निगाहें बीकेटीसी की रिपोर्ट और एसआईटी की आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं, यह देखना होगा कि इस बड़े घोटाले में और कितने नाम सामने आते हैं और न्याय कब तक मिल पाता है।

ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा का नारा साबित हुआ खोखला

-भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर किया हमला

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने देश में उजागर हो रहे विभिन्न भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, कि प्रधानमंत्री का वर्ष 2014 में दिया गया ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा का नारा वास्तविकता में खोखला साबित हुआ है। उन्होंने दावा किया कि सरकार के कार्यकाल में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनसे भ्रष्टाचार विरोधी दावों पर सवाल खड़े होते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट जारी करते हुए कहा, कि मई 2014 में सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था, लेकिन समय के साथ यह दावा खोखला साबित हुआ। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि मौजूदा स्थिति खाऊंगा, खाने दूंगा और खिलाऊंगा जैसी बन गई है।

कांग्रेस नेता ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नोटबंदी पर दिए गए उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने इसे संगठित लूट और कानूनी रूप से वैध ठहराई गई लूट बताया था। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (जीएसपीसी) का ओएनजीसी में विलय कर कथित वित्तीय अनियमितताओं को दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने चुनावी बॉन्ड योजना को भी निशाने पर लेते हुए इसे चंदा दो, धंधा लो व्यवस्था करार दिया और आरोप लगाया कि इससे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला।

जारी विभिन्न रिपोर्टों का दिया हवाला

कांग्रेस ने अदाणी समूह, राफेल सौदे, पीएम केयर्स फंड तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की विभिन्न रिपोर्टों का हवाला देते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। जयराम रमेश ने दावा किया कि हाल के सप्ताहों में सामने आए कई मामलों ने सरकार की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे के कथित दुरुपयोग, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पर रिश्तेदारों को कथित लाभ पहुंचाने के आरोप, विपक्षी दलों के नेताओं को वित्तीय प्रलोभन देकर दल बदल कराने, एक केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा सरकारी योजना की सब्सिडी लेने तथा पर्यावरण मंत्रालय में अधिकारियों के तबादलों जैसे मुद्दों का भी उल्लेख किया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर साधा निशाना

जयराम रमेश ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में परीक्षा प्रणाली भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से प्रभावित हुई है, जिससे करोड़ों छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। कांग्रेस ने इन सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराने तथा केंद्र सरकार से जवाब देने की मांग की है।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद विवाद: शुभेंदु अधिकारी का बयान, राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ऊपर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता एयरपोर्ट के भीतर स्थित पुरानी मस्जिद में सामूहिक नमाज़ पर रोक लगाने और उसके प्रस्तावित स्थानांतरण को लेकर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान तेज हुआ है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि बताकर अपना रुख साफकिया है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने धार्मिक स्वतंत्रता का बचाव किया है। सीएम अधिकारी ने विवाद पर टिप्पणी कर कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ज़्यादा ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि चीन और बांग्लादेश जैसे संवेदनशील पड़ोसी देशों के करीब स्थित भू-रणनीतिक महत्व के इंस्टॉलेशन (एयरपोर्ट) के गेट बाहरी लोगों के लिए खुले नहीं रखे जा सकते। सीएम अधिकारी ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा और एयरपोर्ट की सुरक्षा को अन्य सभी चीजों से ज़्यादा प्राथमिकता मिलेगी। वहीं, सीएम सुवेंदु ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज किया कि उनकी सरकार धार्मिक रीति-रिवाजों में बाधा डालती है। उन्होंने कहा, हमने किसी को भी अपने धर्म का पालन करने से नहीं रोका है, जैसा कि विपक्ष ने हमारे बारे में कहा था। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने उदाहरण देकर बताया कि बकरीद (ईद-उल-अज़हा) जानवरों की बलि से जुड़े कानूनों का पालन कर मनाई गई और मुहर्रम बिना हथियार लहराए शांतिपूर्वक संपन्न हुआ, जिससे कोई समस्या नहीं हुई। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने नागरिकों से कानून का पालन करने और धर्म को एक निजी मामले के रूप में देखने का आग्रह किया, ताकि सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहे।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने मस्जिद को स्थानांतरित करने के प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के विस्तार और सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए कदम ज़रूरी है। मजूमदार ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने तुष्टिकरण की राजनीति के कारण इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की थी, जबकि उनकी मौजूदा सरकार ऐसी राजनीति में विश्वास नहीं रखती और मस्जिद को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सौगत रॉय ने बांकरा मस्जिद में प्रवेश पर अनिश्चितकालीन रोक और उसके स्थानांतरण के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। ममता के नेता रॉय ने कहा कि मुस्लिम समुदाय की सहमति के बिना मस्जिद के संबंध में कोई भी निर्णय नहीं होना चाहिए।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य सरकार ने शनिवार को सुरक्षा कारणों का हवाला देकर बांकरा मस्जिद (जिसे गौरीपुर जामा मस्जिद भी कहा जाता है) को दूसरी जगह स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अंदर मौजूद मस्जिद में मरम्मत कार्य के चलते तीन दिनों के लिए नमाज़ रोक दी गई है। माना जाता है कि 130 साल से भी ज़्यादा पुरानी यह मस्जिद एयरपोर्ट के निर्माण से भी पहले से मौजूद है और यह एयरपोर्ट के सेकेंडरी रनवे से करीब 165 मीटर की दूरी पर स्थित है।

पीएम मोदी की पंजाब यात्रा से पहले खालिस्तानी हुए सक्रिए

भोपाल (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा से पहले राज्य में खालिस्तान समर्थक तत्वों की सक्रियता चिंता का विषय बन गई है। संभावना है कि प्रधानमंत्री 15 और 17 जुलाई के बीच पंजाब का दौरा कर सकते हैं, जिसमें लुधियाना और जालंधर में कार्यक्रम और चंडीगढ़ में कई विकास कार्यों का उद्घाटन शामिल है। हाल ही में एक वीडियो सामने आया है जिसमें दिल्ली जा रही एक ट्रेन पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे हुए दिखाई दे रहे हैं। यह ट्रेन फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन पर थी और इस वीडियो को अलगाववादी समूह सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पोस्ट किया था। हालांकि, इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं की जा सकती है, लेकिन घटना के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आ गए हैं।

पन्नू ने अपने वीडियो में मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा का नाम भी लिया है, जो अपनी फिल्म सतलुज के कारण इन दिनों फिर से चर्चा में हैं। पन्नू ने पीएम मोदी की आगामी यात्रा के दौरान खालिस्तानी झंडे दिखाने का आह्वान किया है। रिपोर्ट के अनुसार, पन्नू ने दावा किया है कि खालड़ा ने 90 के दशक में अज्ञात शवों से जुड़े मामलों के दस्तावेज तैयार किए थे, जो मानवाधिकार उल्लंघन के एक पैटर्न को दर्शाते हैं। इस बीच, अधिकारियों ने फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है ताकि ट्रेन पर नारे लिखने वाले व्यक्तियों की पहचान की जा सके। पुलिस मौका-ए-वारदात से फॉरेंसिक सबूत भी जुटा रही है और पीएम मोदी के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और भी कड़ी कर दी गई है। दूसरी ओर, दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म सतलुज भी विवादों के केंद्र में है। इस फिल्म का शीर्षक पहले पंजाब 95 था। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1984 और 1994 के बीच पंजाब में हजारों अज्ञात शवों के गैर-कानूनी ढंग से किए गए अंतिम संस्कार की जांच की थी। इसे 3 जुलाई को रिलीज होने के दो दिन बाद ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 से हटा दिया गया था, क्योंकि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं व्यक्त की थीं। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म निर्माताओं पर विवादित दावों को स्थापित इतिहास के तौर पर पेश करने का आरोप लगाया है। बिट्टू, जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं, ने कहा कि पंजाब का दर्दनाक अतीत कोई ऐसी पटकथा नहीं है जिसे किसी विमर्श के हिसाब से चुनिंदा ढंग से संपादित किया जा सके। उन्होंने फिल्म निर्माताओं को 25,000 लोगों के लापता होने या उन्हें गैर-कानूनी तरीके से अंतिम संस्कार किए जाने के सभी दस्तावेजी सबूत, सरकारी रिकॉर्ड और न्यायिक निष्कर्ष सार्वजनिक करने की चुनौती दी है, जैसा कि फिल्म में दर्शाया गया है। यह विवाद और खालिस्तानी तत्वों की सक्रियता प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे से पहले राज्य में सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है।

राजभर का अखिलेश पर तीखा हमला, सपा शासन गुंडागर्दी और जातीय हिंसा का दौर

- कहा- सपा राज में अपराधियों का मनोबल बढ़ा था; और घटनाओं को भी जनता के सामने लाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके पूर्ववर्ती शासन पर तीखा हमला बोला है। राजभर ने अखिलेश यादव के कार्यकाल को गुंडागर्दी, अराजकता और जातीय हिंसा का खौफनाक दौर करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखे अपने पोस्ट में सपा शासनकाल की दो चर्चित जघन्य घटनाओं - बुलंदशहर सामूहिक दुष्कर्म और बदायूं में दलित बहनों के बलात्कार एवं हत्या - का विशेष रूप से जिक्र किया। राजभर ने आरोप लगाया कि सपा राज में अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ था और उन्होंने ऐसी अन्य घटनाओं को भी जनता के सामने लाने की बात कही। राजभर ने अपने बयान की शुरुआत एक हालिया घटना का जिक्र करते हुए कहा ?कि अखिलेश यादव दो दिन पहले आपके लोगों की गुंडई देखकर मुझे आपके कार्यकाल की सपाई गुंडागर्दी, अराजकता और आतंक का खौफनाक दौर याद दिला दिया। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के कर्म और कांड आज भी उनकी आंखों के सामने तैरने लगते हैं। मंत्री राजभर ने 2016 की बुलंदशहर सामूहिक दुष्कर्म घटना का उल्लेख किया, जिसमें दिल्ली-कोलकाता नेशनल हाईवे पर एक मां और उसकी नाबालिग बेटी के साथ गैंगरेप हुआ था। उन्होंने मां की मार्मिक गुहार का भी जिक्र किया और तत्कालीन रामपुर के सपा नेता आजम खान के उस घटना पर दिए गए अशोभनीय बयान की भी याद दिलाई। राजभर ने दावा किया कि योगी सरकार में इस मामले के मुख्य आरोपी को 2020 में गिरफ्तार करने की कोशिश की गई, और पुलिस पर हमला करने के प्रयास के बाद उसे ठोक दिया गया। अपने पोस्ट में राजभर ने 2014 के बदायूं कांड का भी हवाला दिया, जहां दो दलित बहनों के साथ बलात्कार के बाद उनकी हत्या कर दी गई थी और लाशों को पेड़ पर लटका दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले के ज्यादातर आरोपी अखिलेश यादव के स्वजातीय थे और आर्टिकल 15 जैसी फिल्म बनाकर इस मामले को सामान्य करने की कोशिश की गई। मंत्री राजभर ने अखिलेश यादव को तैयार रहने को कहते हुए कहा कि वह सपा सरकार की एक जनपद-एक जातीय हिंसा की पूरी फेहरिस्त जनता के सामने खोलेंगे। उन्होंने अति पिछड़ों और दलितों पर हुए अत्याचारों, मारपीट, हत्या और बलात्कार की घटनाओं को याद दिलाते हुए कहा कि लोग इन जुल्मों को भूले नहीं हैं।

मैसेजिंग ऐप्स के लिए समान नियम बनाने की तैयारी में केंद्र

-प्रस्तावित फीचर्स पर बनेगा साझा ढांचा, सभी प्लेटफॉर्म से विचार-विमर्श के बाद होगा अंतिम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश में संचालित सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के लिए समान नियामकीय मानक (कॉमन स्टैंडर्ड्स) तैयार करने पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एक ऐसे ढांचे को तैयार करने पर काम कर रहा है, जिससे विभिन्न मैसेजिंग सेवाओं पर एक जैसे नियम लागू किए जा सकें और नए फीचर्स को लेकर लिए जाने वाले सरकारी निर्णयों को स्पष्ट कानूनी आधार मिल सके।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार को व्हाट्सऐप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर कुछ सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। अधिकारियों का मानना है कि यदि उपयोगकर्ताओं की पहचान केवल यूजरनेम के आधार पर होने लगे तो किसी अन्य व्यक्ति का रूप धारण करने (इम्पर्सोनेशन), ऑनलाइन धोखाधड़ी, तथाकथित डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों और जांच एजेंसियों के सामने आने वाली चुनौतियों का जोखिम बढ़ सकता है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से अभी कोई अंतिम निर्णय घोषित नहीं किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, मंत्रालय इस मुद्दे पर सभी प्रमुख मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के साथ चर्चा करने की तैयारी कर रहा है।

सरकार का उद्देश्य ऐसा समान नियामकीय ढांचा तैयार करना है, जिसमें किसी एक मंच पर किसी फीचर को प्रतिबंधित करने और दूसरे मंच पर उसी सुविधा की अनुमति देने जैसी स्थिति से बचा जा सके। अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान व्यवस्था में ऐसे मामलों के लिए स्पष्ट और समान नियमों का अभाव है। इसलिए भविष्य में किसी भी नए फीचर के मूल्यांकन और अनुमति से संबंधित निर्णय एक समान मानकों के आधार पर लिए जा सकें, इसके लिए साझा दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं।

सरकार का कहना है कि अंतिम निर्णय लेने से पहले सभी संबंधित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और अन्य हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। विचार-विमर्श के बाद सभी पहलुओं को सामने रख कर उचित फैसला लिया जा सकेगा। इसके बाद ही किसी नए नियामकीय ढांचे या दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया जाएगा। फिलहाल इस संबंध में कोई औपचारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

निफ्ट 'समर कैंप 2026' से स्थानीय युवाओं के हुनर को मिली नई उड़ान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 13 जुलाई। शैक्षणिक समावेशिता और जमीनी स्तर पर करियर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (NIFT), दमण ने अपने परिसर में 'समर कैंप 2026' का आयोजन किया। निफ्ट के महानिदेशक द्वारा तय किए गए राष्ट्रीय निर्देशों के अनुरूप, इस कैंपस आउटरीच पहल का उद्देश्य स्थानीय स्कूली छात्रों को एक उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल का शुरुआती और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था।

इस दिन भर चलने वाले इमर्शन प्रोग्राम में गवर्नमेंट हाई स्कूल, परियारी ग्राम पंचायत (जम्पोर बीच, मोटी दमण) के कक्षा 10वीं और 11वीं के 43 उत्साही छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया, जिनके साथ उनके स्कूल के चार शिक्षक भी मौजूद थे। इसका प्राथमिक उद्देश्य रचनात्मक विषयों के प्रति झिझक को दूर करना और छात्रों को फैशन, डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन से जुड़ी व्यावहारिक शिक्षण प्रक्रियाओं से परिचित कराना था।

कार्यक्रम की शुरुआत कैंपस एकेडमिक कोऑर्डिनेटर डॉ. विधु शेखर के नेतृत्व में 30 मिनट के विस्तृत शैक्षणिक ओरिएंटेशन के साथ हुई। डॉ. शेखर ने छात्रों को निफ्ट दमण के प्रमुख अंडरग्रेजुएट कार्यक्रमों के बारे में बताया, जिसमें टेक्सटाइल डिजाइन और फैशन डिजाइन पर विशेष जोर दिया गया।

इस सत्र का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आकर्षण संघ प्रदेश के छात्रों के लिए आरक्षित विशेष डोमिसाइल आरक्षण कोटे के प्रति चलाया गया जागरूकता अभियान रहा। इन प्रावधानों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए, इस सत्र ने स्थानीय युवाओं को सफलतापूर्वक यह दिखाया कि वे अपने ही क्षेत्र में रहकर विश्व स्तरीय व्यावसायिक डिजाइन शिक्षा कैसे प्राप्त कर सकते हैं। वास्तविक डिजाइन शिक्षा का प्रत्यक्ष अनुभव कराने के लिए, आए हुए स्कूली प्रतिनिधिमंडल को निफ्ट के हाई-टेक बुनियादी ढांचे के गाइडेड टूर पर ले जाया गया। छात्रों ने वैश्विक डिजाइन साहित्य, ट्रेंड फोरकास्टिंग सामग्री, कपड़ों के नमूनों और ऐतिहासिक परिधानों के एक विशाल संग्रह को देखा। ये युवा आगंतुक सक्रिय कार्यशालाओं में भी गए, जिनमें बुनाई, सिलाई, पैटर्न मेकिंग और सरफेस डिजाइन लैब्स शामिल थीं। विभाग के संकाय सदस्यों और विशेषज्ञ प्रयोगशाला सहायकों ने औद्योगिक स्तर की मशीनों का लाइव डेमो किया और कच्चे सूत से लेकर तैयार फैशन परिधान बनने तक के दिलचस्प सफर को समझाया। शिक्षा के साथ-साथ, छात्रों ने निफ्ट के मनोरंजक इकोसिस्टम का भी अनुभव किया, जहाँ उन्होंने कैंपस के जिमनैजियम और म्यूजिक रूम का दौरा किया ताकि वे छात्रों के सर्वांगीण विकास पर संस्थान के फोकस को महसूस कर सकें।

इस पहल के पीछे के विजन पर बात करते हुए, निफ्ट दमण के कैंपस निदेशक खुशाल जांगिड़ ने सामुदायिक सशक्तिकरण पर निफ्ट के ध्यान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ₹इस समर कैंप का मुख्य उद्देश्य होनहार स्थानीय प्रतिभाओं को समृद्ध और सशक्त बनाना है, जिससे वे निफ्ट में प्रवेश पाने की दिशा में आगे बढ़ सकें। यह पहल सरकार के समावेशी दृष्टिकोण को पूरी तरह से जीवंत करती है, जो प्रीमियम संस्थागत बुनियादी ढांचे और जमीनी स्तर के आकांक्षी छात्रों के बीच की दूरी को सफलतापूर्वक पाट रही है।₹ इस समर कैंप का समापन बेहद सकारात्मक माहौल में हुआ, जिसने छात्रों को डिजाइन के क्षेत्र में भविष्य के करियर की संभावनाओं के प्रति गहराई से प्रेरित किया। परियारी ग्राम पंचायत के सरपंच भाविक के सहयोग से इस विशेष दौरे का आयोजन किया गया था।

दीव की गवर्नमेंट स्कूल में आयोजित हुई वक्तृत्व स्पर्धा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 13 जुलाई।

दीव में शिक्षा की दुनिया में अहम भूमिका निभाने वाले स्वर्गीय प्रिंसिपल अंबालाल सोमानी और निर्मला सोमानी की मेमोरियल फंड के तहत वक्तृत्व स्पर्धा का आयोजन किया गया। आज दीव के गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में सोमानी मेमोरियल फंड प्रोग्राम का आयोजन किया गया। अंबालाल सोमानी ने दीव में शिक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाई और दीव में शिक्षा को बढ़ावा देने में भी बहुत योगदान दिया। हर साल उनके इस योगदान और शिक्षा की दुनिया में उनके कई योगदानों को याद किया जाता है और उनकी याद में सोमानी मेमोरियल फंड प्रोग्राम का आयोजन किया जाता है। आज भी सोमानी मेमोरियल फंड प्रोग्राम का शानदार आयोजन किया गया जिसमें डिप्टी कलेक्टर शिवम मिश्रा मुख्य अतिथि, नगर अध्यक्ष हरेश पाचा कपाड़िया विशेष अतिथि, शिक्षा अधिकारी अरविंद सोलंकी, एजुकेशनल इंजीनियर विकास पांडे, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष यतिन फुगरो, होटल एसोसिएशन के नशरू जीवनी, पूर्व एजुकेशनल इंजीनियर चेतन सोमानी, स्कूल के इंचार्ज प्रिंसिपल विजयभाई आदि मौजूद थे। प्रोग्राम की शुरुआत दीप जलाकर हुई, जिसके बाद मौजूद मेहमानों का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। प्रोग्राम के दौरान एक भाषण प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें पहले, दूसरे और तीसरे नंबर पर आने वाले स्टूडेंटस को इनाम देकर उनकी हिम्मत बढ़ाई गई, साथ ही दूसरे कॉम्पिटिटर्स को भी सांत्वना इनाम दिए गए। एग्जाम में अच्छा परफॉर्म करने वालों को भी इनाम दिए गए। प्रोग्राम के दौरान अध्यक्षता कर रहे शिवम मिश्रा ने एक ज़रूरी भाषण दिया और स्टूडेंटस को पढ़ाई, अनुशासन और हर खेल समेत हर फील्ड में कड़ी मेहनत करने और अपना भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए गाइड किया। प्रोग्राम के दौरान स्कूल के इंचार्ज प्रिंसिपल विजयभाई ने स्वागत किया और गजानंदभाई ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर टीचर्स, स्टूडेंटस यास्मीन बेन जीवनी, गणमान्य लोग वगैरह मौजूद थे।

इस सप्ताह निवेशक तीन नए आईपीओ में निवेश कर सकेंगे

निवेशकों के पास 10 हजार करोड़ से अधिक के इश्यू में निवेश का मौका

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों के सामने तीन नए आईपीओ में निवेश का अवसर होगा, जिनका कुल आकार 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। इनमें एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड और मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी के आईपीओ शामिल हैं। पहले दो इश्यू मेनबोर्ड श्रेणी के हैं, जबकि मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी का आईपीओ एसएमई प्लेटफॉर्म पर आएगा। निवेशक अपनी रणनीति और जोखिम क्षमता के अनुसार इनमें से किसी एक या सभी इश्यू में आवेदन कर सकते हैं। इस सप्ताह का सबसे बड़ा आईपीओ एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का है। भारतीय स्टेट बैंक और फ्रांस की परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी अमुंडी के संयुक्त उपक्रम की यह कंपनी आईपीओ के माध्यम से 9,812.91 करोड़ रुपये जुटाने जा रही है। इसके लिए प्रति शेयर 545 से 574 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। यह ऑफर फॉर सेल आधारित इश्यू है, इसलिए इससे प्राप्त राशि कंपनी के बजाय अपने शेयर बेच रहे प्रवर्तकों को मिलेगी। इस इश्यू के तहत भारतीय स्टेट बैंक लगभग 4.88 प्रतिशत और अमुंडी करीब 3.51 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगे। दूसरा मेनबोर्ड आईपीओ गुजरात की टेक्सटाइल कंपनी अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड का है। कंपनी 126.25 करोड़ रुपये जुटाएगी और इसके लिए 100 से 105 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा निर्धारित किया गया है। यह पूरी तरह फ्रेश इश्यू है। आईपीओ से प्राप्त धनराशि का उपयोग नया वीविंग प्लांट स्थापित करने, ग्रे फैब्रिक उत्पादन क्षमता बढ़ाने, कर्ज चुकाने तथा अन्य कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। एसएमई श्रेणी में बेंगलुरु की प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनी मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी 160.30 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आ रही है। कंपनी ने 315 से 331 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। इस इश्यू से मिलने वाली राशि नई मशीनों की खरीद, कार्यशील पूंजी और सामान्य व्यावसायिक जरूरतों पर खर्च की जाएगी। इस वर्ष अब तक 30 मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए 24,404 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं। नए इश्यू के बाद यह आंकड़ा 34,343 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं एसएमई प्लेटफॉर्म पर अब तक 90 कंपनियां 3,861 करोड़ रुपये जुटा चुकी हैं और मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी के शामिल होने के बाद यह राशि 4,022 करोड़ रुपये हो जाएगी। इस बीच लेजर पावर एंड इंफ्रा, डेवसन कैटेलिस्ट और हैप्पी स्टील्स के आईपीओ पर भी बोली जारी है,।

रुपया 39 पैसे टूटकर 95.77 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 95.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 39 पैसे टूटकर 95.77 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत 79 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ा। उन्होंने कहा कि घरेलू मुद्रा के कमजोर शुरुआत के साथ 95.53 प्रति डॉलर के स्तर पर खुलने की उम्मीद थी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.77 प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 39 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले नौ पैसे मजबूत होकर 95.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत बढ़कर 101.12 पर कारोबार कर रहा था।

अमेरिका-ईरान टकराव के बीच ब्रेंट 79 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने का असर कच्चे तेल की कीमतों पर देखने को मिला है। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल करीब 4 फीसदी उछल गया। ब्रेंट क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार करता दिखा। हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम शांति समझौते के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई थी। लेकिन नए सैन्य तनाव ने उस राहत को खत्म कर दिया। अब दोनों देशों के बीच बातचीत की संभावना भी कमजोर पड़ गई है। ईरान ने कहा है कि बातचीत आगे बढ़ाने से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य और तेल निर्यात से जुड़े मुद्दों पर प्रगति जरूरी है। सोमवार सुबह ब्रेंट क्रूड करीब 3.93 फीसदी बढ़कर 79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी करीब 3.98 फीसदी की तेजी के साथ 74.25 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, अमेरिकी प्राकृतिक गैस की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। अमेरिका में प्राकृतिक गैस की कीमतें गिरकर 2.90 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू पर आ गई हैं, जो पिछले सात हफ्तों का सबसे निचला स्तर है। इसकी मुख्य वजह आने वाले दिनों में मौसम के ठंडा रहने का अनुमान है, जिससे एयर कंडीशनिंग की मांग घट सकती है और गैस से बनने वाली बिजली की खपत कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा, फ्रीपोर्ट एलएनजी ने 10 जुलाई से अगस्त के आखिर तक अपने प्लांट में रखरखाव (मेंटेनेंस) का काम शुरू किया है, जिससे अस्थायी रूप से गैस की खपत घटेगी। वहीं अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के ताजा आंकड़ों के अनुसार 3 जुलाई तक देश में प्राकृतिक गैस का भंडार पिछले पांच साल के औसत से 6.6 फीसदी अधिक है। पर्याप्त सप्लाई और कमजोर मांग की संभावना के चलते प्राकृतिक गैस की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

सेवानिवृत्ति की तैयारीः ईपीएफ, पीपीएफ या एनपीएस कौन है बेहतर विकल्प ?

बढ़ती महंगाई और लंबी जीवन प्रत्याशा के बीच वित्तीय सुरक्षा के लिए तीनों योजनाओं को समझना जरूरी

-नई दिल्ली।

बढ़ती महंगाई और लंबी जीवन प्रत्याशा को देखते हुए, सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। केवल बचत पर्याप्त नहीं, बल्कि नियमित आय देने वाली निवेश योजनाएं आवश्यक हैं। भारत में कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) तीन प्रमुख विकल्प हैं, जिनके नियम, जोखिम, रिटर्न और कर लाभ भिन्न हैं। संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए ईपीएफ एक मजबूत आधार है, जहां नियोक्ता-कर्मचारी योगदान से बड़ा फंड बनता है। सरकारी ब्याज दर के साथ यह नौकरीपेशा लोगों के लिए सुरक्षित बचत है। वहीं पीपीएफ किसी भी भारतीय नागरिक के लिए सुरक्षित और सरकारी गारंटी वाली योजना है। 7.1 फीसदी ब्याज दे रही यह योजना, निवेश, ब्याज और परिपक्वता राशि पर कर छूट (ईईई) के कारण दीर्घकालिक निवेश का लोकप्रिय विकल्प है। एनपीएस अधिक रिटर्न चाहने वाले और सीमित बाजार जोखिम उठाने को तैयार निवेशकों के लिए बेहतर है। यह शेयर, बॉन्ड आदि में निवेश करती है, बाजार-आधारित प्रतिफल के साथ अतिरिक्त कर लाभ देती है। वित्तीय विशेषज्ञ तीनों योजनाओं के संतुलित संयोजन की सलाह देते हैं।

ताकि सुरक्षा, कर बचत और बेहतर रिटर्न का लाभ मिल सके। नियमित निवेश और योजना की समीक्षा भविष्य की वित्तीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

दीव के मलाला आंगनवाड़ी और घोघला सरकारी प्राइमरी स्कूल में स्वच्छता पखवाड़े के तहत कई प्रोग्राम हुए

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 13 जुलाई। दीव एविएशन सर्विस एयरपोर्ट ने संघ प्रदेश दीव में स्वच्छता पखवाड़े के तहत मलाला आंगनवाड़ी और घोघला सरकारी प्राइमरी स्कूल में कई अवेयरनेस प्रोग्राम किए। स्वच्छता भारत मिशन के तहत 1 जुलाई से 15 जुलाई तक कई प्रोग्राम किए जा रहे हैं। इसके तहत मलाला आंगनवाड़ी में डस्टबिन बांटे गए, पेड़ लगाए गए और हाइजीन किट बांटे गए। वहीं घोघला सरकारी प्राइमरी स्कूल में विद्यार्थियों के लिए सफाई आधारित चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जीतने वाले विद्यार्थियों को पहले, दूसरे और तीसरे नंबर के इनाम देकर हिम्मत दी गई। कार्यक्रम के अंत में दीव एविएशन सर्विस के टीचर्स और स्टाफ ने स्कूल कैंपस में पेड़ लगाए और डस्टबिन भी बांटे गए। इस मौके पर दीव एयरपोर्ट पर भारत पेट्रोलियम एविएशन सर्विसेज के स्टेशन मैनेजर अतीब सुमरा और उनके स्टाफ, स्कूल प्रिंसिपल हर्षिदा पटेल, टीचर पीयूष पंड्या, नेहा सोलंकी, ध्रुति चौहान और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों मौजूद थे।

भारत-ब्रिटेन एफटीए लागूः व्यापार को नई गति, पेशेवरों को बड़ा लाभ

15 जुलाई से निर्यात शुल्क शून्य

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की है कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 15 जुलाई से लागू होगा। यह निर्यातकों को शून्य शुल्क का लाभ देगा और ब्रिटेन में कार्यरत भारतीय पेशेवरों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगा। इस समझौते के तहत ब्रिटेन को भेजे जाने वाले सभी भारतीय उत्पादों पर कोई आयात शुल्क नहीं लगेगा, जिससे किसानों, मछुआरों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) जैसे क्षेत्रों को सीधा फायदा होगा। गोयल ने बताया कि यह समझौता ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों के लिए भी बड़ा बदलाव लाएगा।

डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन (डीसीसी) के तहत, पांच साल तक ब्रिटेन में कार्यरत भारतीयों को अब वहां सामाजिक सुरक्षा में योगदान नहीं देना होगा। इसके बजाय, उनके वेतन का लगभग 25 फीसदी सीधे भारत में उनके भविष्य निधि खातों में 8.25 फीसदी कर-मुक्त ब्याज के साथ जमा होगा। गोयल ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया।

कीस्टोन रियल्टर्स की बिक्रि बुकिंग में 42 फीसदी की गिरावट

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 617 करोड़ रुपये रही बिक्री बुकिंग

निई दिल्ली ।

रियल एस्टेट फर्म कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड को वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में बिक्री बुकिंग में 42 फीसदी की उल्लेखनीय गिरावट का सामना करना पड़ा है। इस तिमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग 617 करोड़ रुपये दर्ज की गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में यह 1,068 करोड़ रुपये थी। मुंबई स्थित इस कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए अपने तिमाही कारोबारी प्रदर्शन की जानकारी साझा की है। कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कोई नई परियोजना शुरू नहीं की गई। ऐसे में बिक्री मुख्य रूप से मौजूदा परियोजनाओं की स्थिर मांग और खरीदारों के भरोसे से समर्थित रही। हालांकि, कंपनी को ग्राहकों से प्राप्त राशि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बढ़कर 599 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 575 करोड़ रुपये थी। कीस्टोन रियल्टर्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक बोमन ईरानी ने इसे स्थिर शुरुआत बताते हुए कहा कि वे पिछली गति को बनाए रखेंगे। कंपनी को वैश्विक स्थिरता से आर्थिक सुधार और आगामी तिमाहियों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद है।

एचडीएफसी बैंक ने अपने कर्मचारियों की संख्या 3,343 घटाई

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 में एचडीएफसी बैंक ने अपने कर्मचारियों की संख्या 3,343 घटा दी है। अब उसके कर्मचारियों की संख्या घटकर 2.11 लाख रह गई है। पिछले नौ वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है क्योंकि देश का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक प्रौद्योगिकी के उपयोग और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के विकास में तेजी से अपनी भागीदारी बढ़ा रहा है। इससे पहले ऐक्सिस बैंक ने प्रौद्योगिकी में अपने निवेश के कारण उत्पादकता में हुए सुधार को देखते हुए वित्त वर्ष 2026 में कर्मचारियों की संख्या में करीब 3,100 की कटौती की थी। एचडीएफसी बैंक के एक अे धिकारी ने नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों से कहा कि प्रौद्योगिकी से संचालित और ग्राहक केंद्रित बैंक बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने के साथ ही हमें कर्मचारियों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने की आवश्यकता है। हम अपने लोगों को प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर अधिक उत्पादक तरीके से और ग्राहकों की जरूरतों के हिसाब से काम करने में सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया है कि कर्मचारियों को बैकएंड कार्यों से ग्राहक केंद्रित भूमिकाओं में नए सिरे से तैनाती की जा रही है। बैकएंड कार्यों में प्रौद्योगिकी आधारित दक्षता हासिल की गई है।

हम काफी सोच-समझकर प्रतिभाओं को बैकएंड कार्यों से अलग कर रहे हैं क्योंकि वहां प्रौद्योगिकी आधारित दक्षता लाई जा सकती है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोना-चांदी के दाम में बड़ी गिरावट

सोना 845 रुपए गिरकर 1,42,633 पर, चांदी 4,016 रुपए टूटकर 2,18,648 पर

नई दिल्ली।

अमेरिका-ईरान तनाव और फेड के सख्त रुख की वजहों से सोने-चांदी की कीमतों में नरमी देखने को मिल रही है। सोने-चांदी के कारोबार की सोमवार को सुस्त शुरुआत हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 845 रुपये की

सुप्रीम कोर्ट की गरिमा और न्याय की संवेदना

कांतिलाल मांडोत

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता वकील द्वारा न्यायाधीशों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करना, कागजात उछालना और मुख्य न्यायाधीश के लिए अपशब्द कहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। किसी भी परिस्थिति में न्यायालय के भीतर इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता। अदालत तर्क और कानून की भाषा समझती है, आक्रोश और अपमान की नहीं। यदि न्याय की लड़ाई लड़ने वाला स्वयं कानून और शिष्टाचार की सीमाएं लांघने लगे, तो न्याय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कमजोर होने का खतरा पैदा हो सकता है।

देश की सबसे बड़ी अदालत में मयार्दा भी सर्वोपरि और पीड़ित की पीड़ा को समझना भी उतना ही आवश्यक...

देश की सर्वोच्च अदालत केवल एक न्यायिक संस्था नहीं है, बल्कि संविधान की आत्मा और लोकतंत्र की अंतिम आशा का केंद्र है। जब देश का कोई नागरिक हर स्तर पर न्याय की तलाश में असफल होकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है, तो उसके मन में यही विश्वास होता है कि यहां उसकी बात निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ सुनी जाएगी। इसी कारण सुप्रीम कोर्ट की गरिमा, मयार्दा और प्रतिष्ठा पूरे न्यायिक तंत्र की आधारशिला मानी जाती है। अदालत की गरिमा बनाए रखना जितना न्यायाधीशों और न्यायिक कर्मचारियों का दायित्व है, उतना ही वहां उपस्थित प्रत्येक अधिवक्ता, याचिकाकर्ता और नागरिक का भी कर्तव्य है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता वकील द्वारा न्यायाधीशों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करना, कागजात उछालना और मुख्य न्यायाधीश के लिए अपशब्द कहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। किसी भी परिस्थिति में न्यायालय के भीतर इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता। अदालत तर्क और कानून की भाषा समझती है, आक्रोश और अपमान की नहीं। यदि न्याय की लड़ाई लड़ने वाला स्वयं कानून और शिष्टाचार की सीमाएं लांघने लगे, तो न्याय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कमजोर होने का खतरा पैदा हो सकता है।

वकील केवल अपने मुवक्किल का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह न्यायालय का भी अधिकारी माना जाता है। उसकी वाणी, उसका आचरण और उसका व्यवहार न्यायपालिका की गरिमा से जुड़ा होता है। इसलिए अधिवक्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे कठिन से कठिन परिस्थिति में भी संयम बनाए रखें। असहमति व्यक्त करने का अधिकार सभी को है, लेकिन असहमति और अभद्रता के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है। उस रेखा का सम्मान करना ही लोकतांत्रिक संस्कृति और न्यायिक परंपरा की पहचान है।

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अदालत ने वकील की याचिका खारिज कर दी, लेकिन उसके खिलाफ अवमानना की कठोर कार्रवाई नहीं की।

न्यायाधीशों ने यह भी कहा कि वह व्यक्ति संभवतः अत्यधिक तनाव और मानसिक दबाव में है तथा उसकी हताशा स्पष्ट दिखाई दे रही है। यह दृष्टिकोण न्यायपालिका की मानवीय संवेदना को भी सामने लाता है। कानून केवल दंड देने का माध्यम नहीं है, बल्कि परिस्थितियों को समझने और न्याय के व्यापक उद्देश्य को ध्यान में रखने की व्यवस्था भी है।

वास्तविकता यह है कि न्याय की तलाश में अदालत तक पहुंचने वाला प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी पीड़ा, संघर्ष या अन्याय का बोझ लेकर आता है। वर्षों तक मुकदमे लड़ने, आर्थिक बोझ उठाने और बार-बार अदालतों के चक्कर लगाने के बाद जब अपेक्षित परिणाम नहीं मिलता, तब कई लोग मानसिक रूप से टूट जाते हैं। यह टूटन कभी-कभी हताशा और असंतुलित व्यवहार के रूप में सामने आती है। इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसे व्यवहार को उचित ठहराया जाए, बल्कि यह समझना आवश्यक है कि उसके पीछे पीड़ा और निराशा का एक लंबा इतिहास भी हो सकता है। न्यायपालिका की सबसे बड़ी ताकत उसकी निष्पक्षता के साथ-साथ उसकी संवेदनशीलता भी है। यदि कोई व्यक्ति अदालत में अत्यधिक तनावग्रस्त दिखाई देता है, तो उसके साथ कानून के अनुसार व्यवहार करते हुए उसकी मानसिक स्थिति को भी समझना चाहिए। न्याय केवल आदेश सुनाने से पूरा नहीं होता, बल्कि यह विश्वास भी पैदा करता है कि अदालत ने व्यक्ति की बात पूरी गंभीरता से सुनी और समझी। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है।

यह भी सच है कि न्याय में विलंब, लंबी कानूनी प्रक्रिया और बढ़ते मुकदमों का बोझ कई लोगों में निराशा पैदा करता है। ऐसे में न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ, सरल और समयबद्ध बनाने की दिशा में लगातार प्रयास आवश्यक हैं। जब लोगों को समय पर न्याय मिलेगा, तो निराशा और असंतोष की स्थितियां भी कम होंगी। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल विवादों का निपटारा नहीं, बल्कि समाज में विश्वास और संतुलन बनाए रखना भी है।

इस घटना ने एक और संदेश दिया है कि न्यायालय की गरिमा बनाए रखने में सभी की समान जिम्मेदारी है। यदि अदालत में अनुशासन समाप्त हो जाए, तो न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होगी और इसका नुकसान अंततः आम नागरिक को ही होगा। इसलिए चाहे वह वरिष्ठ अधिवक्ता हों, नए वकील हों या स्वयं पक्षकार, सभी को यह समझना होगा कि अदालत में शब्दों का चयन, व्यवहार की मयार्दा और कानून के प्रति सम्मान सर्वोपरि है।

दूसरी ओर न्यायपालिका की उदारता भी सराहनीय है। यदि अदालत चाहती तो अवमानना की कार्रवाई कर सकती थी, लेकिन उसने संयम दिखाया और कठोर दंड देने के बजाय मामले को वहीं समाप्त करना उचित समझा। यह निर्णय बताता है कि न्याय केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विवेक, धैर्य और करुणा का संतुलित स्वरूप है। हालांकि इस उदारता का अर्थ यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति अदालत की गरिमा को ठेस पहुंचाने का साहस करे। कानून का सम्मान हर परिस्थिति में अनिवार्य है।

लोकतंत्र में न्यायपालिका अंतिम आशा होती है। जब प्रशासन, व्यवस्था और अन्य संस्थाओं से निराश व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट पहुंचता है, तो उसके मन में उम्मीद की आखिरी किरण बची होती है। इसलिए अदालतों को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनके सामने खड़ा हर व्यक्ति केवल एक केस नंबर नहीं, बल्कि अपने जीवन की किसी गहरी समस्या से जूझता हुआ इंसान है। उसकी बात सुनते समय कानून के साथ मानवीय संवेदना भी बनी रहनी चाहिए।

इस घटना से देश को दो महत्वपूर्ण सीख मिलती हैं। पहली, अदालत की गरिमा किसी भी कीमत पर भंग नहीं होनी चाहिए। न्यायालय में अपशब्द, आक्रोश और अभद्र व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध हैं। दूसरी, न्याय व्यवस्था को लोगों की पीड़ा, मानसिक तनाव और संघर्ष को भी समझना चाहिए, क्योंकि न्याय केवल निर्णय देने का नाम नहीं, बल्कि समाज में विश्वास बनाए रखने की प्रक्रिया है।

सुप्रीम कोर्ट देश की सबसे बड़ी अदालत है और उसकी प्रतिष्ठा पूरे राष्ट्र की प्रतिष्ठा से जुड़ी हुई है। वहीं, अदालत की चौखट पर आने वाला हर व्यक्ति न्याय की उम्मीद लेकर आता है। इसलिए आवश्यक है कि एक ओर अधिवक्ता और पक्षकार अपनी मयार्दा और जिम्मेदारी को समझें, तो दूसरी ओर न्याय व्यवस्था भी हर पीड़ित की व्यथा को महसूस करते हुए कानून और संवेदना के बीच संतुलन बनाए रखे। यही संतुलन भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी शक्ति है और यही लोकतंत्र की स्थायी पहचान भी।

संपादकीय

ज़हरीली विरासत

शासन-प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद आज भी पंजाब की नदियों को जहरीला बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसकी पुष्टि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की स्वीकृति है कि आज भी आठ सौ से अधिक प्रदूषण के स्रोत राज्य की नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। निश्चय ही यह तथ्य उन विभागों व संस्थाओं के कामकाज पर सवालिया निशान है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रबंधन से जुड़े हैं। साथ ही लंबे समय से अदालत के हस्तक्षेप व विभिन्न सर्वेक्षणों में सामने आए तथ्यों की पुष्टि होती है कि राज्य में जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने से उपजा संकट है। वर्षों से सरकारें एक्शन प्लान बनाने के दावे करती रही हैं। कभी ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की बात होती है तो कभी कमेटियां बनाने के दावे होते हैं। आखिर क्यों आज भी बिना साफ किया हुआ सीवेज और औद्योगिक कचरा सतलुज,ब्यास और इनकी सहायक नदियों में बदस्तूर बहाया जा रहा है। जाहिर है, मौजूदा संसाधनों का या तो पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है या उनका रखरखाव ठीक नहीं है। फलतः जन-स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा संकट पैदा होता है। जो धीरे-धीरे आपदा का रूप ले लेता है। आज फैक्ट्रियों से निकलने वाले रसायनों के जरिये भारी धातुएं और जहरीले तत्व भूजल को प्रदूषित करने के बाद, हमारी खाद्य शृंखला में शामिल हो रहे हैं। जो राज्य के बहुचर्चित 'कैंसर बेल्ट' के रूप में हमारे सामने मौजूद है।

निस्संदेह, पंजाब में यदि हरित क्रांति का परचम लहराया तो उसके मूल में पंजाब की नदियों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन आज वे तंत्र की काहिली, अनियोजित शहरीकरण, नियम-कानूनों का क्रियान्वयन न होने और दोषियों को सजा न मिलने का दंड चुका रही हैं। एनजीटी गाहे-बगाहे नगर निकायों की शिथिलता दर्शाकर सच्चाई से आम लोगों को अवगत कराता रहा है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण के प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते हैं जब तक कि इसकी जिम्मेदारी तय न की जाए और सख्त जुमार्ना लगाना पर्यावरण संरक्षण नीति का हिस्सा नहीं बनता है। राज्य ने साबित किया है कि मरणासन्न नदियों को फिर से जीवित किया जा सकता है। काली बेईं को पुनर्जीवित करने में जागरूक लोगों की बड़ी भूमिका रही है। जो दशार्ता है कि पक्के इरादे के साथ किए गये प्रयास से बेहद बुरे हालात में पहुंच चुके जल स्रोत को भी जीवंत बनाया जा सकता है।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

ई-20 को लेकर जन आंदोलन की तैयारी, एवरेज और गाड़ियां बर्बाद

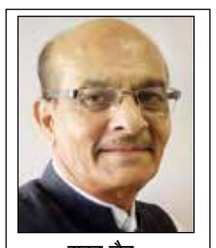

सनत जैन

सरकार ने भारत के सभी पेट्रोल पंपों पर ई-20 पेट्रोल को अनिवार्य कर दिया है। पिछले 1 महीने से इस पेट्रोल के कारण देशभर के सभी राज्यों से गाड़ी का एवरेज कम होने और गाड़ियों में तरह-तरह से खराबी की शिकायतें बड़े पैमाने पर आना शुरू हो गई हैं। जिसके कारण लोगों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है। दो पहिया और चार पहिया ऐसे करोड़ों वाहन हैं जो ई-10 पेट्रोल के लिए भी तैयार नहीं हुए हैं। मामूली मिलावट का उतना असर नहीं होता था, जितना ई-20 का होना शुरू हो गया है। जिसके कारण अब लोगों का गुस्सा पेट्रोल पंपों और सड़कों पर स्पष्ट रूप से नजर आने लगा है। सरकार यह मानने के लिए तैयार नहीं है। ई-20 पेट्रोल से गाड़ी का एवरेज कम होता है। उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं, कि उनके वाहन का एवरेज 5 से 8 किलोमीटर तक कम हो गया है। दो पहिया वाहनों का एवरेज कम होने से गरीब और मध्यम वर्ग को दोहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक तो उन्हें मिलावटी पेट्रोल ज्यादा कीमत में खरीदना पड़ रहा है। सरकार ने जो 20 फीसदी एथेनॉल मिलाया है, उसके बाद भी पेट्रोल की कीमत कम नहीं की है। उपभोक्ताओं को शुद्ध पेट्रोल और मिलावटी पेट्रोल भरवाने का कोई विकल्प पेट्रोल पंपों पर नहीं दिया गया। ज्यादा पैसे चुकाने के बाद कम एवरेज मिलने और गाड़ियां खराब होने के कारण पेट्रोल उपभोक्ताओं का गुस्सा दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही चला जा रहा है।

सरकार उपभोक्ताओं की शिकायतों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है। सरकार के मंत्री उपभोक्ताओं के जले के ऊपर नमक छिड़क रहे हैं। सरकार जो दावा कर रही है, वह वास्तविकता के विपरीत है। इसके बाद भी पेट्रोलियम मंत्री खुलेआम यह कहते हुए नजर आते हैं कि ई-20 पेट्रोल ही लेना पड़ेगा और वह सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही मिलेगा। इथेनॉल की मिलावट के बाद भी उस पेट्रोल के रेट कम नहीं किए जाएंगे। रही सही कसर जब पेट्रोल पंपों से मिलावटी पेट्रोल बिक ही रहा है तो पेट्रोल पंप वाले भी इस अफरा-तफरी में अपनी ओर से भी मिलावट करने लगे हैं। पेट्रोल पंपों में अब मिलावट की जांच कर पाना भी संभव नहीं रहा। सरकार के इस रूख के कारण पेट्रोल पंप संचालकों ने भी मनमानी शुरू कर दी है। गाड़ियों के शोरूम और मैकेनिकों के यहां बड़ी संख्या में गाड़ियां मरम्मत के लिए पहुंच रही हैं। फ्यूल सिस्टम चोख हो रहे हैं। गाड़ी की टंकी खराब हो रही है। गाड़ी झटके लेकर चल रही है। उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन सरकार उन शिकायतों का निराकरण करने के स्थान पर एक तरह से वाहन चालकों और पेट्रोल उपभोक्ताओं को धमकाने में लगी हुई है। जिसके कारण अब लोगों में गुस्सा देखने को मिल रहा है।

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में जन आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। इतने बड़े पैमाने पर गुस्सा होने के बाद भी यदि सरकार इस मामले में कोई उपयुक्त निर्णय नहीं ले रही है तो यह आश्चर्य करने वाला विषय है। इससे ऐसा लगता है कि इस सरकार को जनता के गुस्से और वोट की कोई चिंता नहीं है। सरकार को विश्वास है जनता कितनी भी नाराज हो जीत तो उसी की होनी है। यही आत्मविश्वास पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के बयानों में दिख रहा है। अन्यथा वह उपभोक्ताओं की शिकायतों को दूर करने की दिशा में

कार्यवाही करते। मिलावटी पेट्रोल को सरकार जब स्वयं महंगी कीमत पर बेच रही है। शुद्ध पेट्रोल 167 से 170 रुपए लीटर में बेच रही है। इससे उपभोक्ताओं का गुस्सा बढ़ना स्वाभाविक है। पिछले कई वर्षों से जब कच्चे तेल का दाम कम था, पेट्रोलियम कंपनियों ने लाखों करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, इसका कोई भी लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा। अब पेट्रोल और डीजल के नाम पर सरकार द्वारा इथेनॉल की मिलावट कर जो लूट की तैयारी की जा रही है उसकी आम जनता के बीच में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। सरकार को समय रहते इस दिशा में उपयुक्त निर्णय लेने की जरूरत है।

गोल्ड मेडल बनाम कड़ाही का हलवा: कब तक किचन से नपेगी महिलाओं की उड़ान?

निमिषा सिंह

बधाई हो भारत! बधाई हो कानपुर यूनिवर्सिटी की उन बयासी प्रतिशत मेडल लाने वाली बेटियों को, जिन्होंने अपनी मेधा, अपने संघर्ष और अपनी रातों की नींद एक करके अकादमिक दुनिया के सर्वोच्च शिखर को छुआ है। यह आंकड़ा केवल एक सामान्य संख्या या कोई सरकारी रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि यह उस बदलते भारत की एक गूंजती हुई हुंकार है जो सदियों की सामाजिक बेड़ियों और घरेलू चारदीवारी को मरोड़कर बाहर निकल रहा है। लेकिन ठहरिए! जरा अपनी इस ऐतिहासिक कामयाबी का जश्न मनाना बंद कीजिए। अपनी डिग्रियों को आलमारी के किसी अंधेरे कोने में बंद करिए, मेडल को गले से उतारिए और चुपचाप हाथ में पेन-कॉपी या लैपटॉप की जगह कलछी, कड़ाही और बेलन थाम लीजिए। क्योंकि देश के एक सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठीं आदर्श महिला ने यह पूरी तरह साफ कर दिया है कि आपके इन तमाम गोल्ड मेडलों की औकात ससुराल के किचन में बनने वाले उस एक कटोरी सूजी के हलवे से ज्यादा कुछ नहीं है, जिसे खाकर आपकी सास को आत्मिक संतुष्टि मिल सके और वे समाज के सामने आपको एक संस्कारी बहू होने का प्रामाणिक सर्टिफिकेट दे सकें।

यह बेहद विडंबनापूर्ण, निराशाजनक और लोकतांत्रिक मूल्यों को पूरी तरह से शर्मसार करने वाला दृश्य है कि जब देश की बेटियां तमाम सामाजिक, मानसिक और आर्थिक बाधाओं को पार करते हुए अकादमिक क्षेत्र में बयासी प्रतिशत पदकों पर अपना एकछत्र कब्जा जमा रही हैं, तब उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को उनके इस सुनहरे, उज्ज्वल और गौरवमयी भविष्य में सिर्फ एक कच्चा-पक्का हलवा और सास की गालियां ही दिखाई दे रही हैं। महामहिम का दीक्षांत समारोह के उस पावन मंच से दिया गया यह बयान केवल एक सामान्य प्रशासनिक या औपचारिक भाषण नहीं है, बल्कि यह उस गहरी और सड़ी-गली पितृसत्तात्मक सोच का जीता-जागता और भयावह दस्तावेज है, जो महिलाओं की हर सफलता, उनकी हर अद्वितीय योग्यता और उनके पूरे अस्तित्व को हमेशा किचन की चौखट और घरेलू गुलामी के तराजू पर ही तौलती आई है।

एक राज्य की मुखिया और विश्वविद्यालय की कुलाधिपति से यह उम्मीद थी कि वे उन मेधावी, ऊजार्वान और आकांक्षी लड़कियों को यह सिखाएंगी कि आने वाले समय में उन्हें कॉर्पोरेट जगत के शीशे की अदृश्य छतों को कैसे ध्वस्त करना है। उनसे उम्मीद थी कि वे उन्हें मुक्केबाजी, कराटे, आत्मरक्षा, खेल और प्रशासनिक दुनिया में पुरुषों के ऐतिहासिक एकाधिकार को चुनौती देने के लिए भीतर से प्रेरित करेंगी। वे मंच से दहाड़ कर कहेंगी कि लड़कियों, यह पूरी कायनात तुम्हारी है, अपने पंख फैलाओ और पूरी ताकत से आसमान में उड़ जाओ! लेकिन अफसोस, महामहिम ने उस ऐतिहासिक दीक्षांत समारोह के मंच को किसी तीसरे दर्जे के सास-बहू वाले टीवी धारावाहिक का सेट समझ लिया। वे देश की भावी वैज्ञानिकों, शोधकताओं, प्रोफेसरों और प्रशासनिक अधिकारियों को यह दकियानूसी ज्ञान बांटने लगीं कि चाहे तुम कलेक्टर बनो, प्रोफेसर बनो या देश की आईएएस ऑफिसर बनो, पहले एक एक्सपर्ट मां और बावर्ची बनो, क्योंकि ससुराल में तुम्हारा पहला और अंतिम इम्तिहान तो मोबाइल देखकर बनाए गए हलवे का ही होगा।

हम जैसी महिलाएं जो रोज धरातल पर पत्रकारिता कर रही हैं, जो सामाजिक एक्टिविज्म के जरिए हाशिए की, ग्रामीण और शोषित महिलाओं के बीच जाकर दिन-रात यह अलख जगा रही हैं कि किचन के बाहर भी एक बेहद आजाद, गरिमापूर्ण और मुकम्मल दुनिया सांस ले रही है, आपके इस एक गैर-जिम्मेदाराना बयान ने हमारी सालों की मेहनत और संघर्ष पर पानी फेरने का आत्मघाती काम किया है। मैडम, आपने लड़कियों को तो बड़े प्यार और अधिकार से समझा दिया कि वे रो-धोकर, अपमानित होकर और गालियां खाकर भी हलवा बनाना सीखें और चुपचाप ससुराल के हर अत्याचार को नियति मानकर सहें। लेकिन आपने उस पूरे हॉल में बैठे लड़कों, उनके अहंकारी पिताओं और भावी पतियों को यह क्यों नहीं सिखाया कि अगर तुम्हें हलवा खाना इतना ही पसंद है, तो रसोई में जाकर खुद अपने हाथों से उसे बनाना क्यों नहीं सीख लेते? पतियों को एक संवेदनशील इंसान बनने, एक सच्चा सहयात्री बनने और घरेलू ज़िम्मेदारियों को आधा-आधा बांटने की सीख क्यों नहीं दी गई? क्या पुरुषों को इस समाज में सिर्फ बैठकर हुक्म चलाने, दूसरों की थाली में नुक्स निकालने और गालियां देने के लिए विशेषाधिकार प्राप्त है?

मैं अपने पत्रकारिता और सामाजिक जीवन के कड़वे अनुभवों से शुरू से एक बात पुरजोर तरीके से कहती आई हूँ, और आज की यह घटना मेरी उस वैचारिक समझ पर एक और पक्की और मुकम्मल मुहर लगाती है कि आज के आधुनिक दौर में पितृसत्तात्मक विचारों की असली संवाहक और रक्षक पुरुष नहीं, बल्कि खुद समाज के शीर्ष पर बैठीं कुछ रूढ़िवादी महिलाएं बन चुकी हैं। यह देखना और महसूस करना इस दौर की सबसे कड़वी और दुखद हकीकत है। जिस पुरुषवादी सामाजिक व्यवस्था ने सदियों से महिलाओं का दमन किया, उन्हें पढ़ने के अधिकारों से वंचित रखा, उन्हें चारदीवारी में कैद रखा, आज उसी दमनकारी व्यवस्था की पहरेदारी, वकालत और चौकीदारी करने के लिए समाज की शीर्ष पदों पर बैठी महिलाएं खुद आगे आ रही हैं। आनंदीबेन पटेल का यह बयान कोई समाज में इकलौती या नई घटना नहीं है।

अगर हम सत्ता के ऊंचे गलियारों में झांकें, तो हमें ऐसे आत्मघाती और महिला-विरोधी बयानों की एक लंबी और शर्मनाक फेहरिस्त दिखाई देगी। जब देश की पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी संसद के भीतर खड़े होकर महिलाओं के सबसे बुनियादी जैविक और स्वास्थ्य अधिकारों को पूरी तरह से खारिज करते हुए पेड पीरियड लीव यानी मासिक धर्म की छुट्टी का पुरजोर विरोध करती हैं, तो वे भी इसी पितृसत्ता की एक मजबूत पहरेदार के रूप में खड़ी नजर आती हैं। जब पश्चिम बंगाल जैसी संवेदनशील राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी किसी वीभत्स और जघन्य गैंगरेप को सरेआम एक सजाई हुई घटना या सिर्फ एक प्रेम प्रसंग का बिगड़ना कहकर पीड़ितों की प्रामाणिकता और उनके चरित्र पर ही सवाल उठा देती हैं, तो न्याय की अंतिम उम्मीद भी वहीं दम तोड़ देती है।

जब महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए बने राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा अपराधियों और बलात्कारियों पर नकेल कसने के बजाय आधुनिक लड़कियों को ही देर रात बाहर न निकलने की ढालू और कायरतापूर्ण नसीहतें देने लगती हैं, तब रक्षक ही भक्षक सा महसूस होने लगता है। और हम भारतीय समाज के मानस से उस घटना को कैसे भूल सकते हैं जब दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने एक महिला पत्रकार की मर्डर मिस्ट्री पर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से यह कहकर पल्ला झाड़ लिया था कि महिलाओं को इतनी देर रात अकेले बाहर निकलकर ज्यादा साहसी नहीं होना चाहिए।

ये तमाम राष्ट्रीय उदाहरण इस बात की चीख-चीख कर गवाही देते हैं कि जब महिलाएं ही अपने भीतर की ऐतिहासिक कंडीशनिंग से खुद को मुक्त नहीं कर पातीं और व्यवस्था के शीर्ष पर बैठकर दूसरी संघर्षशील महिलाओं के पैरों में समाज की बनाई पुरानी बेड़ियां डालने लगती हैं, तो पितृसत्ता को किसी पुरुष की लाठी या किसी सामाजिक सहारे की कोई जरूरत ही नहीं रह जाती। यही वह आत्मघाती सोच है, जिसके कारण समाज की अनगिनत बेटियां, चाहे कितनी भी बड़ी-बड़ी डिग्रियां ले लें, चाहे वे जज, डॉक्टर या कलेक्टर ही क्यों न बन जाएं, अंततः दहेज, घरेलू हिंसा और मानसिक प्रताड़ना की भट्ठी में चुपचाप झोंक दी जाती हैं। क्योंकि यह तथाकथित सभ्य समाज उन्हें पहले एक स्वतंत्र, तार्किक और संप्रभु इंसान के रूप में स्वीकार ही नहीं कर पाता; वह उन्हें हमेशा पुरुषों की एक सेवादार और अनुगामी के रूप में ही देखना चाहता है। महामहिम और उनके जैसी संकीर्ण सोच रखने वाले इस पूरे समाज को हम आज साफ-साफ और कड़े शब्दों में यह चेता देना चाहती हैं कि महिलाएं कोई रोबोट, मशीन या कोई खिलौना नहीं हैं जिनका इस धरती पर अल्टीमेट गोल सिर्फ बच्चे पैदा करना, पुरुषों का वंश बढ़ाना और उनके लिए गोल रोटियां सेंकना है। हम एक स्वतंत्र, तार्किक, बौद्धिक और पूर्णतः संप्रभु इंसान हैं। हमारी शिक्षा, हमारी डिग्रियां और हमारी नौकरियां हमारी खुद की आर्थिक आजादी, हमारे स्वाभिमान और इस पूरे देश के विकास के लिए हैं, किसी के रूढ़िवादी घर को परेशानी-मुक्त रखने का गुलामी-पत्र नहीं।

कानपुर यूनिवर्सिटी और देश की हर एक यूनिवर्सिटी की उन तमाम जुझारू और मेधावी बेटियों को हमारा सीधा और स्पष्ट संदेश है कि अपने इन गोल्ड मेडल्स को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाओ। पढ़ना, लड़ना, हर गलत परंपरा पर तीखे सवाल करना और पुरुषों के समकक्ष खड़े होकर इस सड़ी-गली व्यवस्था को चुनौती देना ही तुम्हारा पहला और अंतिम दायित्व है। रही बात हलवे की, तो जिसे भी हलवा खाना होगा, वह अपनी भूख और पसंद के अनुसार खुद रसोई में जाएगा, गैस जलाएगा और बना लेगा। अब देश की आधी आबादी आपकी इस दकियानूसी, महिला-विरोधी और हलवा-मार्का सोच के पिंजरे में दोबारा बंद होने वाली नहीं है। हम बेखौफ उड़ना सीख चुकी हैं, और अब आसमान से नीचे हमें कुछ भी मंजूर नहीं।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

फिनलैंड में हैदराबाद के छात्र का शव मिला, 2 महीने से लापता था ; पुलिस बोली- हत्या के सबूत नहीं

हेलसिंकी, एजेंसी। फिनलैंड में पिछले दो महीने से लापता हैदराबाद के 18 साल के छात्र का शव समुद्र से बरामद हुआ है। फिनलैंड पुलिस ने कहा है कि शुरुआती जांच में हत्या के सबूत नहीं मिले हैं। परिवार ने भारत सरकार से उनका शव जल्द भारत लाने में मदद की अपील की है, ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। छात्र की पहचान मणिदीप को रुप में हुई है, जो 2025 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए फिनलैंड गया था। 5 मई को वह ट्रेन से राजधानी हेलसिंकी पहुंचा और आखिरी बार एक मार्केट स्टोर में नजर आया। परिवार के मुताबिक, 5 मई को मणिदीप ने मां से आखिरी बार बात की थी। उसने बताया था कि वह एक बेकरी में हैं और जल्द घर लौटेगा। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया और कोई संपर्क नहीं हो सका। मामले के बाद फिनलैंड की जांच एजेंसियों, हेलसिंकी पुलिस और कोस्ट गार्ड ने कई हफ्तों तक तलाशी अभियान चलाया। आखिरकार 9 जुलाई को समुद्र से उनका शव बरामद हुआ।

अमेरिका में भारतीय मूल की महिला की हत्या : बेटा घायल, आरोपी पति गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक व्यक्ति को अपनी भारतीय मूल की पत्नी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने और अपने बेटे को घायल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी किर्क बी रेजियन (56 वर्षीय) को मंगलवार रात अटलांटा के पास कॉब काउंटी में घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उसे कॉब काउंटी के वयस्क हिरासत केंद्र में रखा गया है और जमानत पर रिहा नहीं किया गया है। उनकी पत्नी 57 वर्षीय शीतल रेजियन स्मिरना में लॉरेल क्रीक ट्रेल स्थित अपने घर के अंदर घायल मिलीं। उन्हें गोली लगी हुई थी। बाद में उनकी मौत हो गई। उनके 23 वर्षीय बेटे जेसन रेजियन घर के बाहर गोली लगने से घायल हालत में मिले। आपातकालीन टीम उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गई। पुलिस को रात करीब 8 बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति को गोली लगी है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पुलिस ने किर्क रेजियन की पहचान शीतल के पति और जेसन के पिता के रूप में की। स्थानीय समाचारों के अनुसार, कॉब काउंटी पुलिस ने किर्क पर हत्या, गंभीर हमले के दो आरोप और किसी गंभीर अपराध के दौरान हथियार रखने के दो आरोप लगाए हैं। पुलिस ने इस घटना को घरेलू हिंसा का मामला बताया। पुलिस के अनुसार, आम लोगों के लिए अब कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि गोलीबारी किस वजह से हुई। जेसन की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में भी कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। जांच के दौरान पुलिस ने कई घंटों तक लॉरेल क्रीक ट्रेल इलाके को बंद रखा। इस घटना से इलाके के लोग हैरान हैं। यहां कुछ परिवार कई दशकों से रह रहे हैं।

इजरायली पीएम नेतन्याहू के बेटे ने टैक्स से बचने के लिए बदला नाम?

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के परिवार से जुड़ा एक और नया विवाद सामने आया है। नेतन्याहू के बड़े बेटे यायर नेतन्याहू ने अपना नाम बदलकर योनातन हुन कर लिया है। लीक हुए डेटा के मुताबिक, नेतन्याहू के बेटे ने यह काम पिछले दो सालों के दौरान ही किया है। क्योंकि 2024 में टैक्स भरने के दौरान उन्होंने अपने जन्म वाले नाम का ही प्रयोग किया था। लेकिन 2026 में जब उन्होंने टैक्स फाइलिंग की, तो अपना नाम बदलकर 'योनातन हुन' कर लिया है। इजरायली मीडिया के मुताबिक नेतन्याहू परिवार टैक्स और भ्रष्टाचार के मामलों में फंसा हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री के बड़े बेटे के इस कदम को भी शक की नजर से देखा जा रहा है। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि 34 साल के एक्टिविस्ट और पीएम नेतन्याहू के बेटे ने किन वजहों से यह नाम बदला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने नाम में यह बदलाव रेगुलेटरी अपडेट उनके मौजूदा नेशनल आइडेंटिफिकेशन नंबर के तहत किया गया है। इसमें उन्होंने अपना रेसिडेंशियल एड्रेस बस 'बाल्फोर 0' के नाम से दिया है। यह एड्रेस इजरायल के प्रधानमंत्री आवास की तरफ इशारा करता है। पिछले कई सालों से युद्ध में उलझे इजरायल के लोगों के बीच में प्रधानमंत्री के बेटे द्वारा नाम बदलने को लेकर काफी चर्चा है। लोग इस फैसले के पीछे के मकसद को लेकर बंटे हुए हैं। क्योंकि एक तरफ जहां युद्ध के लिए सभी रिजर्व सैनिकों को बुलाया जा चुका है, वहीं 34 वर्षीय योनातन हुन 2023 से फ्लोरिडा में रह रहे हैं। विदेश में रहने की वजह से इजरायल में उनकी कड़ी आलोचना भी हुई थी। कई लोगों का कहना है कि उन्होंने युद्ध में लड़ने से बचने के लिए यह तरकीब अपनाई है, वहीं कई लोग इसे टैक्स से जोड़कर देख रहे हैं। इजरायल के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार ने भले ही बेटे के नाम बदलने को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी हो, लेकिन लोगों ने इसका मतलब निकालना शुरू कर दिया है।

ईरान का विध्वंसक पलटवार ! कतर, यूएई और बहरीन पर दागीं मिसाइलें; खाड़ी देशों में भारी तबाही

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव अब चरम पर पहुंच गया है और युद्ध की आग पूरे क्षेत्र में फैलती नजर आ रही है। रविवार सुबह ईरान ने अमेरिका के साथ जारी संघर्ष में एक बड़ा कदम उठाते हुए खाड़ी के प्रमुख देशों संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन और जॉर्डन पर भीषण मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इन हमलों के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में हड़कंप मच गया है और कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिए हैं।

कतर और बहरीन में सायरन की गूंज : कतर की राजधानी दोहा में रविवार सुबह तेज धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जिससे वहां रहने वाले लोग दहशत में आ गए। कतर के आंतरिक मंत्रालय ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरे देश के नागरिकों के मोबाइल फोन पर एक आपातकालीन सुरक्षा अलर्ट भेजा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा खतरे का स्तर वर्तमान में बहुत अधिक है, इसलिए सभी नागरिक और प्रवासी अपने घरों या सुरक्षित स्थानों के भीतर ही रहें। वहीं, बहरीन के गृह मंत्रालय ने भी अपने क्षेत्रों में 'एयर रेड सायरन' चालू कर दिए हैं और लोगों से शांत रहते हुए नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

यूएई का एयर डिफेंस सिस्टम एक्शन में : ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों को रोकने के लिए संयुक्त अरब अमीरात ने अपनी पूरी सैन्य ताकत झोंक दी है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक पुष्टि की है कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने देश के विभिन्न हिस्सों में ईरान की ओर से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और आक्रामक ड्रोनों को हवा में ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया है। मंत्रालय ने बताया कि शहर में सुनी गई धमाकों की आवाजें वास्तव में ईरानी मिसाइलों को मार गिराने की कार्रवाई का परिणाम थीं।

'खून का बदला' : ईरान की यह कार्रवाई उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन और उनके जनाजे की रस्मों के तुरंत बाद शुरू हुई है। ईरान के मौजूदा सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वे अमेरिका द्वारा किए गए हमलों का 'खून का बदला' लेंगे। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने भी पहले ही चेतावनी दी थी कि वे अपनी जमीन पर हुए किसी भी हमले का पूरी ताकत से जवाब देंगे।

होर्मुज विवाद के बाद बढ़ी टेंशन

ईरान का यह पलटवार दरअसल अमेरिका द्वारा ईरानी शहरों बुशहर, बंदर अब्बास, सिरिक और चाबहार पर की गई बमबारी के जवाब में है। तनाव का मुख्य केंद्र 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुजट' है, जिसे रविवार से आईआरजीसी ने बंद कर दिया है। आईआरजीसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य आगे की सूचना मिलने तक बंद रहेगा। यह स्थिति तब तक जारी रहेगी, जब तक पूरे क्षेत्र में अमेरिका का हस्तक्षेप खत्म नहीं हो जाता। अल जजीरा ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

ईरान पर हवाई हमलों का नया दौर पूरा, करीब 140 ठिकानों को बनाया निशाना: अमेरिकी सेना : अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने रविवार को कहा कि उसने ईरान पर हवाई हमलों का नया दौर पूरा कर लिया है। सेना के अनुसार, इन हमलों में करीब 140 ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने बताया कि निशाना बनाए गए ठिकानों में मिसाइल और ड्रोन लॉन्च करने वाली जगहें, हथियार और गोला-बारूद रखने के ठिकाने, संचार उपकरण और अन्य स्थान शामिल थे। अमेरिकी सेना ने कहा कि इन हमलों से ईरान की उस क्षमता को कमजोर किया गया है, जिसके जरिये वह होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजरने वाले आम नाविकों और व्यावसायिक जहाजों पर हमला कर सकता है। अमेरिकी सेना के अनुसार, ईरान ने रविवार सुबह इसके जवाब में बहरीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात को निशाना बनाकर हमले किए।

हमले के बाद चालक दल ने जहाज छोड़ा: यूकेएमटीओ : यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमले का निशाना बने मालवाहक जहाज के चालक दल ने जहाज छोड़ दिया है और लाइफबोट में सवार हो गया है। यूकेएमटीओ के अनुसार, यह जानकारी सैन्य अधिकारियों और जहाज की सुरक्षा टीम के अधिकारी से मिली है। इससे पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा किया था कि ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे साइप्रस के झंडे वाले मालवाहक जहाज एम/वी जीएफएस गैलेक्सी पर हमला किया। सेंटकॉम के मुताबिक, जहाज के चालक दल का एक सदस्य लापता है। जहाज में आग लगने और इंजन कक्ष को भारी नुकसान होने के कारण वह अपनी यात्रा जारी नहीं रख सका।

अरबों डॉलर का निवेश, फिर भी इंसानों की जगह नहीं ले सके रोबोट; ह्यूमनॉइड रोबोट का कारोबार तेजी से बढ़ा

हांगकांग/बीजिंग , एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और रोबोटिक्स के क्षेत्र में चीन ने ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास में उल्लेखनीय बढ़त बनाई है। चीन की कंपनियां दुनिया में सबसे अधिक ह्यूमनॉइड रोबोट तैयार कर रही हैं और सरकार इस क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। हालांकि, इन रोबोटों का तेजी से बढ़ता किराया कारोबार यह भी दिखा रहा है कि मौजूदा तकनीक अभी इतनी परिपक्व नहीं हुई है कि कारखानों, दफ्तरों या घरों में बड़े पैमाने पर इन्सानों की जगह ले सके। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार चीन में पिछले एक वर्ष के दौरान ह्यूमनॉइड रोबोट किराये पर उपलब्ध कराने का कारोबार तेजी से बढ़ा है। प्रदर्शनी, व्यावसायिक आयोजनों, प्रचार अभियानों और विवाह प्रस्ताव जैसे विशेष कार्यक्रमों में लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए इन रोबोटों की मांग बढ़ी है। एक रोबोट का दैनिक किराया लगभग 3,000 से 3,500 युआन तक है और कई मामलों में इसके साथ प्रशिक्षित ऑपरेटर भी उपलब्ध कराया जाता है। सरकारी मीडिया के अनुसार चीन में 1.53 लाख से अधिक रोबोट किराया कारोबार पंजीकृत हो चुके हैं। इन चुनौतियों के बावजूद चीन सरकार ह्यूमनॉइड रोबोट को भविष्य की रणनीतिक तकनीक मान रही है। इस वर्ष सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत वर्ष के अंत तक 100 से अधिक उच्च-मूल्य वाले व्यावहारिक क्षेत्रों में ह्यूमनॉइड रोबोट तैनात करने का लक्ष्य रखा गया है।बीजिंग का मानना है कि घटती कार्यशील आबादी और धीमी आर्थिक वृद्धि के बीच रोबोट भविष्य में उत्पादकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन बन सकते हैं। साथ ही चीन इस क्षेत्र में अमेरिका, जापान और यूरोप पर तकनीकी बढ़त हासिल करना चाहता है। बाजार अनुसंधान संस्थानों के अनुसार दुनिया में ह्यूमनॉइड रोबोट निर्माण में चीन सबसे आगे निकल चुका है। देश में 140 से अधिक कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग और मजबूत विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला का लाभ मिलने से चीनी कंपनियां उत्पादन लागत तेजी से कम करने में सफल रही हैं। निवेश बैंक मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2050 तक दुनिया में लगभग एक अरब ह्यूमनॉइड रोबोट उपयोग में हो सकते हैं।

स्पेन के जंगलों में भीषण आग: 12 की मौत, 23 लापता, हजारों हेक्टेयर राख

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन के अल्मेरिया प्रांत में भीषण जंगल की आग ने विदेशी नागरिकों की बस्ती को तबाह कर दिया. हादसे में 12 लोगों की मौत, 23 लोग लापता और 8 घायल हुए हैं. आग अब तक 3,200 हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र जला चुकी है. यूरोप में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी और सूखे ने वाइल्डफायर का खतरा बढ़ा दिया है.

स्पेन के दक्षिणी हिस्से में लगी भीषण जंगल की आग ने भारी तबाही मचाई है. आग की चपेट में आने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लोग अब भी लापता हैं. मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है. यह हाल के वर्षों में स्पेन की सबसे घातक जंगल की आग में से एक मानी जा रही है. यह आग गुरुवार देर रात अल्मेरिया प्रांत में सिएरा डे लॉस फिलाब्रेस पहाड़ियों के पास एक दूरदराज इलाके में लगी, जहां बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक रहते हैं. उस समय पूरे स्पेन में भीषण गर्मी पड़ रही थी और सूखे की वजह से हालात पहले से ही खराब थे. ज्यादातर लोगों की मौत इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने अधिकारियों की घर के अंदर सुरक्षित रहने की सलाह नहीं मानी. कई लोग अपनी कारों से भागने लगे, जबकि कुछ पैदल निकल पड़े. कुछ लोग सूखी नदी के रास्ते भागे, लेकिन वह रास्ता उनके लिए मौत का जाल साबित हुआ. अधिकारियों के मुताबिक, चार मृतकों के ब्रिटिश नागरिक होने की आशंका है क्योंकि उनकी जली हुई कार में दाईं ओर स्टीयरिंग था, जैसा ब्रिटेन की गाड़ियों में होता है.

सात लोगों की मौत कार छोड़कर पैदल भागने के दौरान हुई. आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है. करीब 150 दमकलकर्मी और स्पेन की मिलिट्री इमरजेंसी यूनिट के 220 जवान आग बुझाने में जुटे थे. अब तक आग 3,200 हेक्टेयर (करीब 7,900 एकड़) जंगल और खेती की जमीन को जला चुकी है. इलाके की ऊबड़-खाबड़, सूखी जमीन, झाड़ियां, सूखी घास और तेज हवाएं आग बुझाने में सबसे बड़ी चुनौती बन रही हैं. लगातार पड़ रही हीटवेव ने पूरे इलाके को बारूद की तरह ज्वलनशील बना दिया है।

चीन पर 'बावी' का कहर... 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी

बीजिंग, एजेंसी। प्रकृति के प्रकोप से जूझ रहे चीन में शनिवार रात एक और बड़ी आपदा ने दस्तक दी। शक्तिशाली तूफान 'बावी' शनिवार रात करीब 11:20 बजे पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत के तट से टकराया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह इस साल का नौवां तूफान है, जिसने काउंटी स्तर के शहर युहुआन में लैंडफॉल किया।

जिस समय यह तूफान तट से टकराया, उस वक्त हवाओं की अधिकतम रफ्तार 40 मीटर प्रति सेकंड (करीब 144 किलोमीटर प्रति घंटा) दर्ज की गई, जिससे तटीय इलाकों में भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

20 लाख लोगों का ऐतिहासिक रेस्क्यू : ऑपरेशन तूफान की गंभीरता और इससे होने वाले संभावित जान-माल के नुकसान को देखते हुए चीनी प्रशासन ने व्यापक स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए हैं। चीन के पूर्वी हिस्से से अब तक लगभग 20 लाख लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित आश्रय स्थलों पर पहुंचाया गया है। आपातकालीन स्थिति को देखते हुए राजधानी बीजिंग समेत देश के कई बड़े शहरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और राहत दलों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है। प्रणाली चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने अपनी चार स्तरीय चेतावनी प्रणाली में सबसे उच्च स्तर का 'रेड अलर्ट' भारी बारिश के लिए जारी किया है। इसके साथ ही, तूफान के खतरे को देखते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' भी लागू किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले 24 घंटों में झेजियांग, उत्तरी फुजियान, उत्तर-पूर्वी जियांग्शी और दक्षिणी अनहुई सहित देश के एक बड़े हिस्से में अत्यधिक मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। इतना ही नहीं, बीजिंग और हेबेई के कुछ हिस्सों में भी भारी जलजमाव और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चीन में तबाही मचाने से पहले इस तूफान ने पड़ोसी क्षेत्रों में भी काफी नुकसान पहुंचाया है। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन के अनुसार, शनिवार को जब 'बावी' ताइवान के उत्तर से गुजरा, तब वहां 113 लोग घायल हो गए। सुरक्षा की दृष्टि से ताइवान के ज्यादातर इलाकों में स्कूल और दफ्तर बंद कर दिए गए और करीब 14,200 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया। वहीं, जापान के ओकिनावा प्रांत में ऊंची लहरों की चेतावनी जारी की गई है और पूरे इलाके में 200 से अधिक उड़ानों को रद्द करना पड़ा है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन ने लोगों से तटीय क्षेत्रों से दूर रहने और मौसम संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। लगातार हो रही बारिश से नदियों के जलस्तर में वृद्धि और पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा भी बढ़ गया है।

4000 जवान और रेंजर्स की 7 विंग; पीओके में बड़ी कार्रवाई की तैयारी में आसिम मुनीर?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 15 जुलाई को होने वाले बड़े विरोध प्रदर्शनों और लॉन्ग मार्च से पहले वहां की स्थानीय कठपुतली सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर होने वाले प्रदर्शन और अशांति को दबाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने पाकिस्तान की सरकार से हजारों अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तत्काल तैनाती की मांग की है। सीएनएन-न्यूज 18 ने एक गोपनीय आधिकारिक दस्तावेज के हवाले से कहा है कि वहां के गृह विभाग ने इस्लामाबाद से 4,000 जवानों और पाकिस्तान रेंजर्स की सात विंग्स की तत्काल तैनाती की गुहार लगाई है। यह आपातकालीन कदम हाल के हफ्तों में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर और सैकड़ों अन्य कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद भड़के भयंकर जन आक्रोश की वजह से उठाया गया है। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के सचिव को 8 जुलाई को भेजा गया यह पत्र बेहद संवेदनशील है, जिस पर अति आवश्यक और गोपनीय लिखा गया है। यह आदेश साफ तौर पर दर्शाता है कि पाकिस्तान समर्थित स्थानीय प्रशासन जेएएसी द्वारा चलाए जा रहे इस आंदोलन से बुरी तरह घबराया हुआ है। प्रशासन ने समिति पर लंबे मार्च, विरोध प्रदर्शन और धरने आयोजित करने का आरोप लगाया है। सरकार का दावा है कि इस आंदोलन के कारण पूरे क्षेत्र में एक अस्थिर सुरक्षा संकट पैदा हो गया है, जिससे निपटना अब स्थानीय सुरक्षा तंत्र के बस की बात नहीं रहा।

आधे जवानों के पास होंगे हथियार, आधे के पास दंगा-रोधी गियर : गोपनीय दस्तावेज के अनुसार मांगी गई यह अतिरिक्त फोर्स पीओके में पहले से ही तैनात भारी सुरक्षा बलों के अलावा होगी। दस्तावेज में साफ लिखा गया है कि इन सैनिकों की जरूरत प्रदर्शनों के खतरे को बेअसर करने, प्रशासन के इकबाल को बनाए रखने और थके हुए सुरक्षा अमले को मदद देने के लिए है। प्रशासन ने मांग की है कि आने वाले सुरक्षाकर्मियों में से 50 प्रतिशत पूरी तरह से आधुनिक हथियारों और गोला-बारूद से लैस होने चाहिए, जबकि शेष 50 प्रतिशत को दंगा-रोधी गियर दिया जाना चाहिए। आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि दंगा-रोधी उपकरणों की कोई कमी हो तो उसे बल की तैनाती से पहले पाकिस्तान के केंद्रीय स्टॉक से पूरा किया जाए। पीओके प्रशासन ने इस पूरी अशांति के लिए सीधे तौर पर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी को जिम्मेदार ठहराया है। सरकार का आरोप है कि पुंछ और रावलकोट में लगातार धरने दिए जा रहे हैं और पड़ोसी जिलों में रैलियां आयोजित कर लोगों को भड़काया जा रहा है। प्रशासन ने यह सनसनीखेज दावा भी किया है कि प्रतिबंधित समूहों से जुड़े सशस्त्र लोग मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजनों में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

नेपाल में फिर जेन-जी प्रदर्शन; 3 दिन में 3 आत्मदाह:बेरोजगारी के खिलाफ गुस्सा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में युवाओं की बढ़ती नाराजगी फिर से सड़कों पर दिखाई देने लगी है। पिछले तीन दिनों में तीन युवाओं ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। इनमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से झुलसा हुआ अस्पताल में भर्ती है।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 'बालेन' के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। राजधानी काठमांडू में युवा प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने सरकार पर युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में विफल रहने का आरोप लगाया है। जेन-जी नेपाल संगठन ने प्रधानमंत्री बालेन शाह पर जनविरोधी और निरंकुश तरीके से शासन चलाने का आरोप लगाया है। संगठन का कहना है कि बजट व नीतियों में युवाओं के रोजगार और आय बढ़ाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

2023 में बालेन शाह ने आत्मदाह को सरकार की विफलता कहा था 2023 की वह घटना भी चर्चा में है, जब प्रेम आचार्य ने आत्मदाह किया था। उस समय काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह ने इसे राज्य की चरम विफलता बताया था। अब मौजूदा घटनाओं पर उनकी चुप्पी विपक्ष और प्रदर्शनकारियों के निशाने पर है। नेपाल में लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने युवाओं की मानसिक स्थिति, बेरोजगारी और सरकारी नीतियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि यदि सरकार ने जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए तो विरोध और तेज हो सकता है। 2022 में मेयर बनने के बाद बालेन ने शहर की सफाई, विरासत संरक्षण और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती के कदम उठाए। अवैध निर्माण पर कार्रवाई से ट्रैफिक सुधरा, हालांकि इसका विरोध भी हुआ, खासकर सड़क किनारे दुकानदारों और झुग्गी बस्तियों के लोगों से। बालेन शाह का प्रभाव केवल प्रशासन तक सीमित नहीं रहा। पिछले साल सितंबर में हुए प्रदर्शनों के दौरान उनके गाने युवाओं के बीच गूंजते रहे। इन प्रदर्शनों में 77 लोगों की मौत हुई थी और इसके पीछे सोशल मीडिया पर प्रतिबंध, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और धीमी अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों का गुस्सा था। 5 मार्च को हुए आम चुनाव में उनकी पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की, जिससे नेपाल की पारंपरिक राजनीति को बड़ा झटका लगा। बालेन शाह ने झापा-5 सीट से पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को हराकर अपनी राजनीतिक ताकत साबित की। 35 साल की उम्र में प्रधानमंत्री पद संभालते ही वह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बन गए हैं।

वेनेजुएला भूकंप मामले में 4,333 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा, राहत कार्य के लिए लगभग 30 हजार लोग आए सामने

काराकास, एजेंसी। नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में 24 जून को आए भूकंप के झटकों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,333 हो गई है। वहीं, राहत कार्य में मदद करने के लिए हजारों की संख्या में लोग सामने आ रहे हैं। रोड्रिगेज ने शनिवार को कहा कि 16,740 लोग घायल हुए हैं और 6,462 लोगों को बचाया गया है। अधिकारियों ने 18,000 से ज्यादा लोगों के लिए 94 अस्थायी कैंप बनाए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि आपदा के मुश्किल समय में पीड़ितों की मदद के लिए लगभग 30,000 स्वयंसेवक सामने आए और सरकार ने उन्हें घर बनाने और रिपेयरिंग के कामों में शामिल करने का प्रस्ताव दिया है।

रोड्रिगेज ने कहा कि क्योंकि कई परिवार बेघर हैं, इसलिए सरकार ने एक यूनिफाइड हाउसिंग रजिस्ट्री शुरू की है, जो जनगणना और भूकंप पीड़ितों को सरकार के आदेश पर मिलने वाली वित्तीय मदद के लिए एक डेटाबेस का काम करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को उन लोगों को घर देने के लिए तेजी से कदम उठाने की जरूरत है जिन्होंने अपने घर हमेशा के लिए खो दिए हैं और जिन घरों को थोड़ा नुकसान हुआ है, उन्हें ठीक करने की जरूरत है। रोड्रिगेज ने कहा कि सरकार जब तक पक्के घर बन रहे हैं, तब तक सिंगल-फैमिली ट्रांजिशनल हाउसिंग वाले कैंप लगाने का भी प्लान बना रही है। उन्होंने आगे कहा कि नेशनल असेंबली रेंटल लॉ में सुधार करने और भूकंप से प्रभावित परिवारों को घर खरीदने में मदद

करने के लिए क्रेडिट और सब्सिडी सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए आगे बढ़ेगी। अमेरिका और दूसरे देशों के आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से विदेश में जमा वेनेजुएला के फंड के बारे में, रोड्रिगेज ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अलग-अलग सरकारों को चिट्ठी भेजकर उन एसेट्स को रिलीज करने की अपील की है। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में हाल ही में आए भूकंप के पीड़ितों की मदद के लिए 28 देशों से मिली मानवीय मदद के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह टिप्पणी कराकास में एक राहत सामग्री संग्रह केंद्र का निरीक्षण करने के बाद की, जहां 24 जून को आए भूकंप के पीड़ितों के लिए बनाए गए अस्थायी राहत शिविरों में वितरण हेतु 2,000 टन से अधिक अंतरराष्ट्रीय सहायता सामग्री को छांटा और व्यवस्थित किया जा रहा है। रोड्रिग्ज ने कहा, 'वेनेजुएला उन देशों, दुनिया के लोगों और दुनिया की सरकारों को धन्यवाद देते नहीं थकता, जिन्होंने मदद की पेशकश की है। प्रत्येक देश यह देख सकेगा कि उसकी सहायता का उपयोग कैसे किया जा रहा है, ताकि वेनेजुएला के लोगों को उस देश की मैत्रीपूर्ण मदद का एहसास हो।'

रोड्रिग्ज ने कहा, 'इस त्रासदी पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद, वेनेजुएला जानता है कि यह अकेला नहीं है। सबसे जरूरी बात भविष्य की ओर देखना है, हम कैसे ठीक होंगे, हम प्रभावित इलाकों को कैसे फिर से बनाएंगे।

यूपी टी20 सीजन चार का शेड्यूल आया सामने, पहली बार दो शहरों में होस्ट की जाएगी लीग

कानपुर (एजेंसी)। यूपी टी20 लीग (यूपी टी 20 सीजन 4) 14 अगस्त से 6 सितंबर तक होगी। 24 दिन के इस टूर्नामेंट में 34 मैच होंगे, जिसमें 13 डबल हेडर मैचडे और 8 सिंगल-हेडर मैचडे शामिल हैं, ऑर्गनाइजर ने रविवार को यह घोषणा की। लीग के इतिहास में पहली बार यूपी टी20 को 2 शहरों में होस्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट का पहला फेज भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा, जहां 13 मैचडे में 22 मैच होंगे।

दूसरा फेज ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में शिफ्ट होगा, जहां 11 मैचडे में बाकी 12 मैच होस्ट किए जाएंगे। यूपी टी20 सीजन 4 की ओपनिंग सेरेमनी और पहला मैच लखनऊ में होगा, जबकि कानपुर में फाइनल और क्लोजिंग सेरेमनी होगी, जिससे टूर्नामेंट का शानदार समापन होगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की गवर्निंग काउंसिल की रविवार को मीटिंग हुई और यूपी टी 20 लीग के चौथे एडिशन के आयोजन से जुड़े कई खास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

इस मौके पर, यूपीसीए ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, राजीव शुक्ला का खेलों के विकास के लिए लगातार गाइडेंस, सपोर्ट और कमिटमेंट के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया। गवर्निंग

काउंसिल ने टूर्नामेंट के शेड्यूल, जगहों, प्लेयर ऑक्शन, टूर्नामेंट ऑपरेशन, टैलेंट डेवलपमेंट और कॉम्पिटिशन की दूसरी खास बातों पर भी डिटेल में बातचीत की।

यूपी टी20 सीजन 4 का मिनी ऑक्शन 24 जुलाई को आगरा में होगा, जिसमें लीग की छह फ्रेंचाइजी में 45 प्लेयर स्लॉट उपलब्ध होंगे। इसके अलावा गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी, प्लेयर सिलेक्शन प्रोसेस, कैचमेंट एरिया ट्रायल्स, सपोर्ट स्टाफ सिलेक्शन गाइडलाइंस और मिनी ऑक्शन रेगुलेशन को मंजूरी दी, जिससे पूरे टूर्नामेंट में ट्रांसपेरेंसी, फेयरनेस और हाई प्रोफेशनल स्टैंर्ड सुनिश्चित होंगे। लोकल टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए, कैचमेंट एरिया मॉडल लागू रहेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों के उभरते हुए क्रिकेटरों को अपनी स्किल्स दिखाने के ज्यादा मौके मिलेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना यूपी टी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। लीग का पॉपुलर ऑफिशियल एंथम, खिलाड़ी यहां बनता है (चैंपियंस यहां बनते हैं), इस सीजन में भी जारी रहेगा। शानदार परफॉर्मेंस को इनाम देने के लिए लीग ने कुल 3 करोड़ रुपए का प्राइज पूल रखा है। चैंपियन को 1 करोड़ रुपए, रनर-अप को 60 लाख रुपए मिलेंगे जबकि दूसरी टॉप परफॉर्म करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को भी आकर्षक कैश अवॉर्ड मिलेंगे।

हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने छोड़ा सीएसके का साथ

18 साल बाद अलग हुए, कहा- टीम हमेशा दिल के करीब रहेगी, 5 आईपीएल टाइटल जिताए

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और उसके हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग का 18 साल पुराना साथ खत्म हो गया। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को सोशल पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। सीएसके ने एक्स पर लिखा- 'हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने आईपीएल इतिहास की सबसे सफल और लंबे समय तक चलने वाली पार्टनरशिप में से एक को साझा किया है। आपने जो विरासत बनाई है, वह हमें प्रेरित करती रहेगी। बेहद सम्मान और आभार के साथ, धन्यवाद स्टीफन।' न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग आईपीएल के पहले सीजन में बतौर खिलाड़ी चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े थे। 2009 में उन्होंने कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली और 2010 में पहला टाइटल जिता दिया।

फ्लेमिंग ने कहा-18 साल खेल में एक पूरी जिंदगी के बराबर होते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया समय मेरे कोचिंग करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा। हमने साथ मिलकर यादगार जीत हासिल कीं। मुश्किल दौर देखे और ऐसी यादें बनाईं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। ष्ट्रस्च हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मैं आगे भी टीम को सपोर्ट करता रहूंगा।

आईपीएल के सबसे सफल कोच हैं फ्लेमिंग

फ्लेमिंग की रणनीति, शांत नेतृत्व और खिलाड़ियों पर भरोसा सीएसके की पहचान बन गया। उनकी और एमएस धोनी की जोड़ी को आईपीएल इतिहास की सबसे सफल कोच-कप्तान जोड़ियों में गिना जाता है।

सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन जीता

- ज्वेरेव को चार सेट में हराया; युवराज सिंह, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी मैच देखने पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ 24 वर्षीय सिनर लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बने। वे ओपन एरा में विंबलडन पुरुष एकल खिताब बचाने वाले इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी बन गए। 24 साल के सिनर ने पहली बार फाइनल खेल रहे में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीती। यह मैच 3 घंटे 46 मिनट तक चला। इसी के साथ सिनर ने करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अचीवमेंट भी हासिल की। चैंपियन बनने पर सिनर को 36 लाख पाउंड (करीब 42 करोड़) की इनामी राशि भी मिली। वे एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 बने रहेंगे। उनके और नए नंबर-2 बनने वाले ज्वेरेव के बीच 4,970 अंकों का अंतर रहेगा।

यह 5वां ग्रैंडस्लैम टाइटल, इस साल पहला

यह सिनर के करियर का 5वां ग्रैंड स्लैम और 2026 सीजन का पहला मेजर खिताब है। इससे पहले वे फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने ग्रास कोर्ट पर शानदार वापसी की। सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराने के बाद फाइनल में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया।

स्मृति मंधाना का लॉर्ड्स में चला बल्ला

- लगाया दूसरा अर्धशतक; दूसरी पारी में भी शतक लगाने से चूकीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज की दूसरी पारी में भी अपने बल्ले का दम दिखाया और इस बार भी वो शतक लगाने से चूक गईं। स्मृति मंधाना पहली पारी में भी शतक के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन वो लॉर्ड्स में शतक नहीं लगा पाई। दूसरी पारी में भी उनके पास मौका था जो उनके हाथ से निकल गया। हालांकि मंधाना टेस्ट क्रिकेट में दोनों पारियों में 70 रन ये उससे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

भारत ने लॉर्ड्स का पहला महिला टेस्ट जीता

इंग्लैंड को 270 रन से हराया, यस्तिका का शतक, मंधाना ने दोनों पारियों में फिफ्टी लगाई

लंदन (एजेंसी)। भारत ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले महिला टेस्ट में इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया। भारत ने इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया था, लेकिन चौथे दिन टीम दूसरी पारी में 186 रन पर सिमट गई। भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की टीम 170 रन पर ऑलआउट हो गई और भारत को 115 रन की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में भारत ने 341/7 पर घोषित कर इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया। दूसरी पारी में यस्तिका भाटिया ने 113 रन की पारी खेली। वहीं स्मृति मंधाना ने 70 रन बनाए। स्मृति ने पहली पारी में भी 83 रन बनाए थे। ऋचा घोष ने भी नाबाद 50 रन बनाकर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई।

पहली पारी में क्रांति ने 5 विकेट लिए - इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शेफाली वर्मा बिना

खाता खोले आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना (83), कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की पारियों से भारत ने 285 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन और लॉरेन फिलर ने 2-2 विकेट लिए।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर सिमट गई। क्रांति गौड़ ने 5 विकेट झटके। सयाली सतघारे और स्नेह राणा ने 2-2 विकेट लिए, जबकि दीप्ति शर्मा को एक सफलता मिली। एमी जोन्स ने 52 और कप्तान नेट सिवर-ब्रंट ने 44 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके।

यस्तिका ने रचा इतिहास, भारत ने मैच पर कब्जा जमाया - 115 रन की बढ़त के साथ दूसरी पारी खेलने उतरी भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने 88 रन की शुरुआत दी। इसके बाद यस्तिका भाटिया ने जिम्मेदारी संभालते हुए 113 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने स्मृति के साथ 73 और दीप्ति शर्मा के साथ 52 रन की साझेदारी की। ऋचा घोष ने नाबाद 50 और सयाली सतघारे ने नाबाद 18 रन बनाकर भारत को 341/7 तक पहुंचाया। इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने 5 विकेट लिए, लेकिन भारत ने 456 रन की बढ़त हासिल कर ली।

चौथे दिन भारतीय स्पिनरों ने खत्म किया मुकाबला - 457 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टैमी ब्यूमोंट, माया बुशियर, हीदर नाइट और कप्तान नेट-ब्रंट जल्दी आउट हो गईं। एमी जोन्स ने 54 और सोफी एक्लेस्टोन ने 50 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने इंग्लैंड ज्यादा देर टिक नहीं सका। स्नेह राणा ने 4 विकेट लिए। सयाली सतघारे, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड की पूरी टीम 186 रन पर सिमट गई और भारत ने मुकाबला 270 रन से जीत लिया।

राहुल द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच

एंडी फ्लावर, फ्लिंटॉफ और लैंगर के नाम पर भी चर्चा; मैकुलम को हटाया

लंदन (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बनने की दौड़ में शामिल हैं। ब्रेंडन मैकुलम के पद छोड़ने के बाद ईसीबी (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) पॉसिबल कैंडीडेट्स के नाम पर विचार कर रहा है, जिसमें द्रविड़ का नाम भी है।

डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ उन चुनिंदा कैंडीडेट्स में शामिल हैं, जिन पर ईसीबी विचार कर रहा है। इस लिस्ट में एंडी फ्लावर, एंड्रयू फ्लिंटॉफ और जस्टिन लैंगर जैसे नाम शामिल हैं। एक दिन पहले रविवार 12 जुलाई को ईसीबी ने मैकुलम को टेस्ट कोच के पद हटाने की जानकारी दी।

द्रविड़ की कोचिंग स्ट्राइल बनी बड़ी ताकत - द्रविड़ की प्लांड कोचिंग, खिलाड़ियों को विकसित करने की क्षमता और लंबे समय की सोच उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती है। 53 साल द्रविड़ के कार्यकाल में भारत ने 2024

टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टीम 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंची थी। भारत की अंडर-19 और ए टीम के साथ उनका काम भी काफी सराहा गया है।

फुल-टाइम कोचिंग के इच्छुक नहीं हैं द्रविड़ - रिपोर्ट में यह भी लिखा गया कि द्रविड़ फुलटाइम कोचिंग की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक नहीं हैं। इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कोच बनने पर उन्हें परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा और टेस्ट क्रिकेट में योगदान देने का अवसर भी मिलेगा। इसलिए ईसीबी कम से कम उनकी रुचि जरूर जानना चाहेगा।

- **एंडी फ्लावर सबसे मजबूत दावेदार** - पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान एंडी फ्लावर भी इस पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। उनके कार्यकाल में इंग्लैंड ने तीन एशेज सीरीज जीती थीं। साथ ही टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था। रिचर्ड डॉसन, श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन के नाम भी संभावित उम्मीदवारों में शामिल बताए जा रहे हैं। ईसीबी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नए टेस्ट मुख्य कोच की नियुक्ति करना चाहता है।

अदिति अशोक एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 56वें स्थान पर पहुंची

एवियन ले बेंस (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ रविवार को यहां 2026 आमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहीं।

दक्षिण कोरिया की हेइ रेन रयु ने पहले प्ले ऑफ में बर्डी पट के साथ लगातार दूसरा मेजर खिताब अपने नाम किया। शुरुआती तीन दौर में 70, 70 और 69 के स्कोर के साथ अदिति के पास अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका था लेकिन वह अंतिम होल में पांच बोगी और दो बर्डी से तीन ओवर का स्कोर ही बना पाईं। दो हफ्ते पहले 2026 केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले रयु ने प्ले ऑफ में कनाडा की ब्रूक हेंडरसन को पछाड़ा। रयु ने इसी गोल्फ कोर्स पर 2015 में आमुंडी एवियन जूनियर्स कप भी जीता था।

फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप

सेमीफाइनल में 35 साल बाद सभी पूर्व चैंपियंस

अर्जेंटीना-इंग्लैंड की 40 साल पुरानी राइवलरी, एम्बाप्पे का फ्रांस यमाल के स्पेन से खेलेगा

अटलांटा (एजेंसी)। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। फुटबॉल की चार दिग्गज टीमें- अर्जेंटीना, इंग्लैंड, फ्रांस और स्पेन ने टॉप-4 में प्रवेश किया है। 1990 के बाद यह पहला मौका है, जब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में सिर्फ पूर्व चैंपियन टीमें पहुंची हैं। एक खास बात और है, ये चारों टीमें फीफा रैंकिंग में टॉप-4 में शामिल हैं। ऐसा पहली बार हुआ है, जब रैंकिंग की टॉप-4 टीमों सेमीफाइनल में पहुंची हैं और खिताब से सिर्फ दो जीत दूर हैं। मंगलवार को किलियन एम्बाप्पे की फ्रांस और लामिन यमाल के स्पेन आमने-सामने होंगे, जबकि बुधवार को लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना और हैरी केन की इंग्लैंड के बीच मैच खेला जाएगा।

अर्जेंटीना - इंग्लैंड - अर्जेंटीना और इंग्लैंड की भिड़ंत सिर्फ फुटबॉल तक सीमित नहीं रही है। 1982 के फॉकलैंड युद्ध से लेकर वर्ल्ड कप के कई विवादित मुकाबलों तक दोनों देशों की राइवलरी काफी पुरानी है।1986 वर्ल्ड कप में डिएगो माराडोना के चर्चित हैंड ऑफ गॉड गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराया था। 1998 में डेविड बेकहम को रेड कार्ड मिला और अर्जेंटीना ने पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की।2002 में बेकहम ने पेनल्टी गोल कर इंग्लैंड को जीत दिलाई थी। अब मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरा खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा।

स्पेन - फ्रांस - दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस और स्पेन की टक्कर होगी। दोनों टीमें 2 साल पहले यूरोपीय चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भी भिड़ी थीं, जहां स्पेन ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। फ्रांस के पास किलियन एमबाप्पे, माइकल ओलिसे और डिजिरे डुए जैसे स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि स्पेन की उम्मीदें युवा स्टार लामिन यामाल और मिडफील्डर मिकेल मेरिनो पर टिकी होंगी। मेरिनो ने लगातार दो नॉकआउट मुकाबलों में निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिलाई है।

मेसी के पास इतिहास रचने का मौका - 39 साल लियोनेल मेसी अपने करियर का आखिरी वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। उनके नाम विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा 21 गोल हैं।अगर मेसी अर्जेंटीना को लगातार दूसरा वर्ल्ड कप दिलाने में सफल रहते हैं, तो वह डिएगो माराडोना के बराबर नहीं, बल्कि उनसे भी आगे निकल जाएंगे।अर्जेंटीना अगर खिताब जीतता है तो वह 1962 के बाद लगातार दो वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ब्राजील और इटली यह कारनामा कर चुके हैं।

ब्रेंडन मैकुलम की बर्खास्तगी पर भड़की इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स, ईसीबी को लगाई फटकार

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे ऐतिहासिक महिला टेस्ट के दौरान इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा ब्रेंडन मैकुलम को पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हटाने की घोषणा विवादों में आ गई है। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स हार्टले ने इस फैसले के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे महिला क्रिकेट के इस ऐतिहासिक मुकाबले की अहमियत कम हो गई।

ऐतिहासिक मैच से हट गया सबका ध्यान - एलेक्स हार्टले ने कहा कि लॉर्ड्स में खेला जा रहा यह मकाबला महिला क्रिकेट के इतिहास का बेहद खास पल है। ऐसे समय में मैकुलम की विदाई का ऐलान करना समझदारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि ईसीबी चाहती तो इस घोषणा को टेस्ट खत्म होने तक टाल सकती थी। उनके मुताबिक इससे क्रिकेट जगत और प्रशंसकों का पूरा ध्यान महिला टेस्ट से हट गया।

ईसीबी की मंशा पर भी उठाए सवाल - हार्टले ने बोर्ड की महिला क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर ईसीबी वास्तव में महिला क्रिकेट का सम्मान और विकास चाहता है तो उसे केवल बयान देने के बजाय अपने फैसलों से भी यह दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा. इस फैसले का कोई मतलब नहीं बनता। मंगलवार तक इंतजार किया जा सकता था। इंग्लैंड भले ही यह टेस्ट जीतने की स्थिति में नहीं है, लेकिन मैच अभी खत्म नहीं हुआ है। यह अपने आप में एक ऐतिहासिक मुकाबला है।

सिर्फ बातें नहीं, काम से दिखाइए सम्मान - हार्टले ने माना कि मंगलवार से इंग्लैंड पुरुष टीम को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है, इसलिए ईसीबी घोषणा जल्द करना चाहता था। लेकिन उनके मुताबिक महिला क्रिकेट के लिहाज से यह टेस्ट उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, अगर आप कहते हैं कि महिला क्रिकेट का सम्मान करते हैं और उसे आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो सिर्फ बातें मत कीजिए। इस खबर को सोमवार शाम या मंगलवार सुबह तक रोका जा सकता था।

एक एक्टर के तौर पर अभी लंबा सफर तय करना बाकी है

'मिर्जापुर : द मूवी' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। वेब सीरीज के तीन सीजन के बाद अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें जहां वेब सीरीज के कई कलाकार और किरदार वापसी करेंगे, तो वहीं कुछ नए कलाकार और किरदार भी नजर आएंगे। अभिषेक बनर्जी भी फिल्म में सीरीज के अपने चर्चित कंपाउंडर सुबोध के किरदार में दिखाई देंगे। फिल्म की रिलीज से पहले अभिषेक ने अपने किरदार को मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने एक किस्सा साझा किया जहां एक फैन ने उन्हें कंपाउडर सुबोध के तौर पर ही पहचाना।

बातचीत में अभिषेक बनर्जी ने एक फैन द्वारा उन्हें कंपाउंडर सुबोध के तौर पर पहचाने जाने का जिक्र किया। अभिषेक ने बताया कि हां, जना और हथौड़ा त्यागी। मुझे लगता है कि लोग मुझे मेरे असली नाम से ज्यादा इन किरदारों के नाम से जानते हैं। मुझे सच में इस बात की खुशी है। जब आपके किरदार अच्छा काम करते हैं, तो लोग उनसे जुड़ जाते हैं। अभी-अभी जब मैं अंदर आ रहा था, तो सिक्योरिटी गार्ड ने मुझे रोका और कहा, 'अरे, मिर्जापुर कंपाउंडर!' उसने मुझे इसी तरह याद रखा था। मैं अपने दर्शकों के साथ ठीक ऐसा ही जुड़ाव बनाना चाहता हूं।

एक एक्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि अभी लंबा सफर तय करना बाकी है; यह तो बस शुरुआत है। मेरे लिए यह जरूरी है कि लोग मुझे मेरे काम और एक्टिंग की वजह से जानें, न कि इस वजह से कि मैं असल जिंदगी में कैसा हूं। मुझे जो काम मिल रहा है, उसके लिए मैं सच में शुक्रगुजार हूं।

20 वर्षों के बाद तमिल सिनेमा में वापसी करने को तैयार नसीरुद्दीन शाह

दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इस बीच खबर है कि वह धनुष की अपकमिंग एक्शन ड्रामा फिल्म 'ओम' में नजर आने वाले हैं। वह आधिकारिक तौर पर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए हैं, जिससे 26 साल बाद तमिल सिनेमा में उनकी वापसी हो रही है। यह एक बड़े बजट का प्रोडक्शन है जिसे दो-भागों वाली एक्शन ड्रामा फिल्म के तौर पर बनाया जा रहा है। इसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी कर रहे हैं, जिन्हें 'अमरन' के लिए काफी तारीफें मिली थीं।

मेकर्स ने किया आधिकारिक एलान

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नसीरुद्दीन शाह की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा 'ओम की दुनिया में एक दमदार एंट्री। दिग्गज नसीरुद्दीन इस मेगा फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 16 अक्टूबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आ रही है।'

20 साल पहले तमिल में किया था काम

आपको बता दें कि नसीरुद्दीन शाह ने कमल हासन की फिल्म 'हे राम' (2000) में शाहरुख खान के साथ महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। यह उनकी आखिरी तमिल फिल्म थी।

अभिनेत्री आकांक्षा चमोला दोबारा नहीं करेंगी शादी, अकेली गुजारेंगी जिंदगी

अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक और खुद के बायसेक्शुअल होने की चर्चाओं के बाद अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने कहा है कि वह दोबारा शादी नहीं करेंगी। फराह खान और रितेश देशमुख के होस्ट किए जाने वाले नेटफ्लिक्स शो 'लॉक अप: सच या सजा' के हालिया एपिसोड में आकांक्षा अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना के साथ जेल में दिल की बातें करती नजर आईं। आकांक्षा ने पामेला से कहा कि जब उनकी शादी गौरव खन्ना से हुई थी, तब उनकी उम्र 24 साल थी। इस पर पामेला ने कहा कि वह अभी भी युवा हैं और उन्हें आगे चलकर कोई अच्छा जीवनसाथी मिल सकता है। आकांक्षा ने जवाब दिया, 'नहीं, मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मेरा मन अब शादी से भर गया है। लेकिन जिंदगी में पहली बार मैं अकेले रहूंगी। न मैं अपने माता-पिता के घर रहूंगी और न ही पति के घर। मेरा अपना घर होगा और मैं आगे की जिंदगी अकेले ही बिताऊंगी।' फिलहाल शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ 'लैला' जैसे कई लोकप्रिय चेहरे नजर आ रहे हैं।

'लॉकअप' का पहला सीजन साल 2022 में आया था, जिसे कंगना रनौत ने होस्ट किया था। पूरे सीजन में करण कुंद्रा जेलर की भूमिका में नजर आए थे। इस सीजन के विजेता मुनव्वर फारूकी बने थे। 'लॉकअप' के दूसरे सीजन में 6 हफ्तों तक 14 कैदी, दो जेलर और एक लॉक-अप होगा। शो के नियमों के मुताबिक, कैदियों को खाना, जरूरी सामान और दूसरी बुनियादी सुविधाएं पाने के लिए टास्क पूरे कर इन-गेम करेंसी कमानी होगी। पिछले हफ्ते 'जजमेंट डे' के दौरान आकांक्षा ने खुलासा किया कि वह बायसेक्शुअल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गौरव से शादी से पहले उनके महिलाओं के साथ रिश्ते रह चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर आकांक्षा चमोला ने कहा, 'मैं शादी से पहले उभयलिंगी थी। मेरे रिश्ते कुछ लड़कियों के साथ हैं। बहुत ज्यादा अंतरंग संबंध नहीं रह रहे हैं लेकिन मैं कुछ महिलाओं के साथ संबंधों में रही हूं।' उन्होंने बताया कि उन्हें महिलाओं के साथ ज्यादा सहज महसूस होता है और उनकी संगति में वह खुद को बेहतर महसूस करती हैं।

मेरा किसी की शैली की नकल करने का कोई इरादा नहीं है

अभिनेता कुनाल खेमू का कहना है कि रियलिटी शो 'एलायंस' के साथ होस्ट के रूप में अपने डेब्यू के बाद वह सलमान खान से की जा रही तुलना के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इस शो में बिना किसी पूर्वधारणा के प्रवेश कर रहे हैं और सिर्फ़ अपने स्वाभाविक अंदाज में रहना चाहते हैं। बातचीत में जब कुनाल से पूछा गया कि क्या उनके मन में सलमान खान से तुलना का विचार है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से रियलिटी शो की दुनिया का एक बड़ा चेहरा रहे हैं, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया, 'मैंने इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। लोग मुझसे बहुत पहले से यह काम कर रहे हैं और बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि उनका न तो किसी की शैली की नकल करने का इरादा है और न ही जानबूझकर खुद को सबसे अलग दिखाने की कोशिश। 'आपकी सोच और परवरिश ऐसी होती है कि शायद आपको लगता है कि यही तरीका है, क्योंकि आपने कुछ और देखा ही नहीं है। इसलिए मैं न तो किसी की नकल करने की कोशिश कर रहा हूं और न ही किसी से अलग बनने की।' कुनाल ने इसे अपने लिए पूरी तरह नया अनुभव बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें खुद भी नहीं पता कि समय के साथ वह किस तरह के होस्ट बनकर उभरेंगे।

उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने बताया, मैं इसमें बिना किसी तय योजना के उतर रहा हूं। मुझे खुद भी नहीं पता। हो सकता है बाद में कोई कहे कि मेरी यही शैली बन गई या यह कुछ अलग है। मुझे नहीं पता। मैं बस वही कर रहा हूं जो मुझे सही लगता है।' गौरतलब है कि सलमान खान अब तक रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 15 सीजन होस्ट कर चुके हैं और उन्हें इस क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय होस्ट्स में गिना जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कुनाल खेमू आखिरी बार फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नजर आए थे। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म भी थी, जिसे इसकी अनोखी कहानी और कलाकारों के अभिनय के लिए सराहना मिली थी।

रवीना टंडन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों की घटती भूमिका का उठाया मुद्दा

रवीना टंडन की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई कर रही है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। इसी बीच रवीना ने बॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों में हीरोइनों की भूमिकाओं को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

रवीना टंडन ने 90 के दशक में 'अंदाज अपना अपना' और 'दूल्हे राजा' जैसी कई शानदार कॉमेडी फिल्मों में काम किया था। बातचीत के दौरान, रवीना ने कहा कि उस दौर में अभिनेत्रियों को खुलकर कॉमेडी करने का मौका मिलता था। आजकल की कॉमेडी फिल्में बहुत ज्यादा बंधी-बंधाई होती हैं या फिर उनमें बहुत सारे कलाकार होते हैं। इस वजह से हीरोइनों के हिस्से में मजेदार और हंसाने वाले सीन बहुत कम आते हैं।

श्रीदेवी और जूही चावला की तारीफ

रवीना ने 'मिस्टर इंडिया' और 'चालबाज' जैसी फिल्मों से साबित किया कि एक खूबसूरत हीरोइन भी बेहतरीन कॉमेडी और हाव-भाव से लोगों को हंसा सकती है। इसके साथ ही रवीना ने जूही चावला की कॉमिक टाइमिंग और गीता बाली और मधुबाला जैसी पुरानी अभिनेत्रियों के मजाकिया अंदाज की भी तारीफ की। रवीना ने कहा, 'आजकल की अभिनेत्रियां बहुत टैलेंटेड हैं, लेकिन फिल्मों की स्क्रिप्ट उन्हें सिर्फ सुंदर दिखने तक सीमित कर देती है। हमें ऐसे लेखकों की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए मजेदार और हंसाने वाले किरदार लिखें, बिना यह सोचे कि उन्हें हर वक्त परफेक्ट दिखना है।'

आठ घंटे की शिफ्ट के सपोर्ट में अहमद खान

निर्देशक अहमद खान अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच उन्होंने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट का समर्थन किया है।

जब से ऐसी खबरें आईं कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग करते हुए 'स्पिरिट' से किनारा कर लिया, तब से इंडस्ट्री में इस पर बहस चल रही है। आठ घंटे की मांग वाले मामले पर लोगों की राय बंटी हुई है।

अब इस मामले पर अहमद खान ने अपनी राय रखी है। उन्होंने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा 'देखिए मैं उस दौर का हूं, जब हम दिन में 24 घंटे काम करते थे। मैंने तीन शिफ्ट में काम किया है- सुबह सात से दो, दोपहर दो से रात दस और रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक। हम आरके स्टूडियो, फिर फेमस स्टूडियो, फिर फिल्मिस्तान में शूटिंग करते थे, जिसमें आने-जाने का समय भी शामिल होता था। हम सेट पर ही सोते थे। टूथपेस्ट कार में होता था। हम चेंजिंग रूम में नहाते थे।' इतने मुश्किल शेड्यूल के अपने अनुभव के बावजूद, अहमद खान ने कहा कि आज के एक्टर्स से उसी रूटीन का पालन करने की उम्मीद करना गलत होगा।

एक्टर्स के पास होते हैं दूसरे काम

उन्होंने कहा 'आज के युवा, स्टार्स और एक्टर्स, अगर शूटिंग नहीं कर रहे होते हैं, तो वे पब्लिक अपीयरेंस, ब्रांड एंडोर्समेंट में व्यस्त रहते हैं। शाम को उन्हें कहीं और जाना होता है। उनके पास अन्य काम भी होते हैं। इसलिए, उन्हें शूटिंग के लिए आठ घंटे चाहिए, फिर वे अपने बाकी कामों के लिए फ्री रहना चाहते हैं। यह सही है, जब तक वे काम कर रहे हैं। वे यह नहीं कह रहे हैं कि 'आठ घंटे के बाद हम टेनिस खेलने जा रहे हैं'।'

अहमद खान का सुझाव

डायरेक्टर ने सुझाव दिया कि प्रोड्यूसर और फिल्ममेकर्स को नई सच्चाई के हिसाब से अपने शेड्यूल में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'तो ठीक है, अगर आप आठ घंटे दे रहे हैं, तो हम अपना शेड्यूल आठ घंटे के हिसाब से रखेंगे और आठ घंटे में ही शूटिंग करेंगे। इससे सभी की जिंदगी आसान हो जाएगी।'

जन्मजात नेता हैं थलापति विजय

एक्ट्रेस प्रियामणि ने हाल ही में 'जन नायकन' के बारे में जानकारी दी। यह फिल्म सुपरस्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थलापति विजय के साथ उनकी पहली फिल्म है। एच. विनोथ के डायरेक्शन में बन रही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि यह थलापति विजय की आखिरी फिल्म है और इसके सर्टिफिकेशन प्रोसेस में देरी की वजह से भी यह सुर्खियों में रही है। हाल ही में एक इवेंट में प्रियामणि ने फिल्म की रिलीज के बारे में इशारा करते हुए कहा कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। उन्होंने विजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और उनके लीडरशिप गुणों की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि वह अपनी मौजूदा भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। अपनी फिल्म 'जीडीएन' के लिए आयोजित एक इवेंट में प्रियामणि ने थलापति विजय के मुख्यमंत्री बनने पर कहा कि मैं बहुत खुश हूं। हर कोई कह रहा है कि सर इस भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। मुझे लगता है कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और सभी को लगता है कि यह इसी तरह जारी रहना चाहिए।

दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक में सांसद उमेश पटेल ने बीएसएनएल सुदृढ़ीकरण एवं दमण-दीव को Digital Union Territory Model बनाने की उठाई मांग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सूरत/दमण 13 जुलाई। सूरत में आयोजित दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक में दमण एवं दीव के सांसद उमेश पटेल ने सूरत के सांसद मुकेश दलाल तथा गुजरात से राज्यसभा सांसद गोविंदभाई (काका) की उपस्थिति में दूरसंचार क्षेत्र से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दे प्रभावी ढंग से उठाए। बैठक के दौरान सांसद उमेश पटेल ने कहा कि निजी टेलीकॉम कंपनियों की तुलना में बीएसएनएल की 4जी एवं 5जी सेवाओं का विस्तार अपेक्षाकृत धीमा रहने से बड़ी संख्या में उपभोक्ता निजी कंपनियों की ओर जा रहे हैं। उन्होंने बीएसएनएल के नेटवर्क आधुनिकीकरण, स्पेक्ट्रम के प्रभावी उपयोग, ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क विस्तार तथा ग्राहक सेवा में व्यापक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि बीएसएनएल को पुनः एक मजबूत एवं प्रतिस्पर्धी सार्वजनिक दूरसंचार सेवा प्रदाता बनाया जा सके। उन्होंने विशेष रूप से दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में बीएसएनएल एवं निजी कंपनियों के मोबाइल टावरों, 4जी/5जी कवरेज, इंटरनेट स्पीड तथा उपभोक्ताओं के तुलनात्मक आंकड़े उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही प्रदेश में स्वीकृत, स्थापित एवं चालू बीएसएनएल 4जी टावरों की स्थिति तथा शेष टावरों को शीघ्र चालू करने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत करने का आग्रह किया। सांसद ने प्रदेश के ग्रामीण, औद्योगिक, तटीय एवं पर्यटन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता, कॉल ड्रॉप की समस्या तथा हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाओं में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने BharatNet, PM-WANI, सार्वजनिक Wi-Fi, ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता, आपदा के समय निर्बाध संचार व्यवस्था तथा मोबाइल टावर स्थापना प्रक्रिया को सरल बनाने जैसे विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की। औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दमण एवं सिलवासा में Industry 4.0, Internet of Things (IoT) तथा अत्याधुनिक डिजिटल अवसंरचना विकसित करने के लिए विशेष योजना तैयार करने की मांग भी बैठक में प्रमुखता से रखी गई। बैठक के अंत में सांसद उमेश पटेल ने केंद्र सरकार एवं दूरसंचार विभाग से दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव को Digital Union Territory Model के रूप में विकसित करने हेतु विशेष पैकेज प्रदान करने, प्रदेश में 100 प्रतिशत फाइबर कनेक्टिविटी, 100 प्रतिशत 5जी कवरेज तथा प्रत्येक गांव तक उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने का आग्रह किया। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि उनका उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक, विद्यार्थी, मछुआरे, व्यापारी, उद्योग एवं ग्रामीण क्षेत्र तक तेज़, विश्वसनीय और सुलभ डिजिटल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है तथा वे इस दिशा में निरंतर केंद्र सरकार एवं संबंधित विभागों के समक्ष प्रदेश की आवाज़ उठाते रहेंगे।

क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन फ्रॉड मामले में 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

■ बॉटब्रो, बॉट अल्फा, क्रॉस मार्केट, ट्रेड क्राफ्ट और बीजी वेल्थ जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए निवेश के नाम पर लोगों के साथ करते थे धोखाधड़ी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 13 जुलाई। दादरा नगर हवेली और दमण-दीव क्राइम ब्रांच को एक बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने बॉटब्रो, बॉट अल्फा, क्रॉस मार्केट, ट्रेड क्राफ्ट और बीजी वेल्थ जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए निवेश के नाम पर बड़ी धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक पीड़ित ने इस धोखाधड़ी को लेकर क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में एफआईआर (एफआईआर नं. 01/2026) दर्ज की गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसे हर महीने 5 से 7% का रिटर्न, मूल रकम (इन्वेस्टमेंट) की पूरी सुरक्षा और कीमती टीएलसी टोकन देने का लालच दिया गया था। इस झांसे में आकर उसने अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई गंवा दी। इस तरह कई अन्य निवेशकों से भी ठगी की गई है। जांच के दौरान, क्राइम ब्रांच ने 13 जुलाई 2026 को दो लोगों को गिरफ्तार किया। जिसमें अंजलि यादव निवासी वापी-गुजरात, मूल निवासी जौनपुर उत्तर प्रदेश एवं मिलन कुमार दिनेश महाला निवासी धरमपुर वलसाड गुजरात शामिल हैं। शुरुआती जांच से पता चला है कि ये आरोपी लोगों को झूठे वादे करके फंसाते थे और ऑनलाइन डैशबोर्ड पर नकली मुनाफा (प्रॉफिट) दिखाते थे। इन्होंने लोगों को लुभाने के लिए दमण के कई होटलों के साथ-साथ दुबई और थाईलैंड में भी बड़े इवेंट्स (प्रोग्राम) आयोजित किए थे। पुलिस से बचने और अपना काम चालू रखने के लिए ये बार-बार अपने इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म का नाम बदल देते थे। बाद में निवेशकों से अपनी रकम यूएसडीटी (एक तरह की क्रिप्टोकरेंसी) के जरिए निकालने को कहा गया, लेकिन उनके खातों में कभी कोई पैसा नहीं आया। जांच में यह भी सामने आया है कि इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड (किंगपिन) लविश चौधरी उर्फ नवाब अली है। वह अपने साथियों के साथ मिलकर कई राज्यों में बिना किसी अनुमति के यह मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) नेटवर्क चला रहा था। क्राइम ब्रांच के लिए इस साइबर वित्तीय धोखाधड़ी गैंग को पकड़ना एक बड़ी सफलता है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि ठगी का पैसा कहाँ-कहाँ भेजा गया है, बाकी पीड़ितों का पता लगाया जा रहा है और इस पूरी साजिश में शामिल अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए कारवाही की जा रही है।

दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन की आयोजित हुई 25वीं वार्षिक सामान्य सभा

■ डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल ने दिलीपनगर में हुए विकास कार्यों की रखी रूपरेखा - दिलीपनगर के तेजस्वी विद्यार्थियों का किया गया सम्मानितः दिलीपनगर के 70 साल से ज्यादा उम्र के वरिष्ठ नागरिकों का भी हुआ सम्मान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 13 जुलाई। दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन ने 12 जुलाई रविवार को अपनी 25वां वार्षिक सिल्वर जुबिली सामान्य सभा का आयोजन नंदहरी पार्टी हॉल में किया। दिलीपनगर महिला मंडल के सदस्यों ने प्रार्थना द्वारा सभा की शुरआत की। डीएमएम की चेयरमैन वैशाली भट्ट ने स्वागत करते हुए अपना भाषण दिया और दिलीपनगर महिला मंडल द्वारा कार्यक्रम के बारे में विस्तार से विवरण किया। डीडीए के जनरल सेक्रेटरी कैलाश शर्मा ने पिछले साल का वार्षिक सभा की प्रोशेशिंग रीडिंग किया। ट्रेजरर अनोज टंडेल ने 2025-2026 का बैलेन्स शीट भी प्रस्तुत किया और सामान्य सभा में सभी सदस्यों की मंजूरी से पारित किया। पूरी मेहनत, लगन से अपना योगदान देकर दिलीपनगर को आज एक मॉडल सोसाइटी के रूप में बनाने के लिए दिलीपनगर के लोगों ने डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल को स्टैंडिंग ओवेशन के साथ तालियां बजाकर सम्मान दिया। रोटरी क्लब के अध्यक्ष जयेश जोशी ने अपने भाषण में बच्चों और यंगस्टर को मोटिवेशन करते हुए बड़े सपने देखने के लिए उत्साहित किया। डीडीए के चेयरमैन लखम टंडेल द्वारा इन 25 सालों में किये गए काम और दिलीपनगर का विकास करने के लिए किए कामों का विवरण दिया गया। विशेषकर दिलीपनगर ग्राउंड पर होने वाली सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी दी। दिलीपनगर की रोड के बारे विस्तार से लोगों को बताया और एक मॉडल सोसाइटी बन बन गया है। बाकी लोगों के लिए एक उदाहरण पेश किया गया है, बाहर के लोग भी आकर इस सोसाइटी को देखें। इस रोड को बनाने में प्रशासक प्रफुल पटेल और दमण प्रशासन का पूरा सहयोग है। साथ ही पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट का भी सहयोग दिलीपनगर का रोड बनाने में मिला है इसके लिए उनका बहुत-बहुत धन्यवाद। हर साल की तरह इस साल भी दिलीपनगर के करीब 88 होनहार विद्यार्थियों को मेडल, इनाम और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। 7 बहुमुखी प्रतिभावान बच्चों को सर्टिफिकेट, इनाम और विशेष ट्रॉफी दी गई। दिलीपनगर के 70 वर्ष से ज्यादा उम्र के 8 बुजुर्गों का भी शॉल ओढाकर और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। इस मौके पर डीडीए चेरमैन लखम टंडेल, वाइस चेयरमैन हरीश टंडेल एवं प्रकाश टंडेल, जनरल सेक्रेटरी कैलाश शर्मा, ट्रेजरर अनोज टंडेल, जॉइंट ट्रेजरर सुधीर पटेल, जॉइंट सेक्रेटरी अल्पेश उपाध्याय, उमेश मित्तल, दिनेश मित्तल, ईश्वर टंडेल, राजेश राठौर, नीलेश टंडेल, दिशांग टंडेल और महिला मंडल की चेयरमैन वैशाली भट्ट के साथ वाइस चेयरमैन प्रमिला सोलंकी, जॉइंट सेक्रेटरी प्राजक्ति टंडेल, ट्रेजरर जागृति टंडेल, जॉइंट ट्रेजरर बीनाबेन, निर्मला माछी, राखी उपाध्याय, प्रिती पटेल, सीमा भार्गव, डिंपल तंबोली, कृतिका टंडेल उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का पूरा संचालन राजेश राठौर और सीमा भार्गव ने किया। इस मौके पर दिलीपनगर के भारी तादाद में भाई, बहन और बच्चे उपस्थित रहे। प्रोग्राम के बाद भोजन की भी व्यवस्था रखी गई थी।

प्रकृति संरक्षण ही भविष्य की सुरक्षा का संकल्प : सायली में भाजपा का महावृक्षारोपण अभियान, 100 एकड़ में लगाए जाएंगे 48,000 से अधिक पौधे

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 13 जुलाई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा द्वारा स्थानीय वन विभाग के सहयोग से आज दादरा नगर हवेली के सायली ग्राम पंचायत क्षेत्र में एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की उपस्थिति में आयोजित इस अभियान के अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ताओं एवं वन विभाग के संयुक्त प्रयास से सायली क्षेत्र की 100 एकड़ से अधिक भूमि पर 48,000 से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की आवश्यकता नहीं, बल्कि मानव जीवन का आधार हैं। आज जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण जैसी वैश्विक चुनौतियों के बीच प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनके संरक्षण का भी संकल्प ले। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के एक पेड़ माँ के नाम जैसे जनआंदोलनों से प्रेरणा लेते हुए भारतीय जनता पार्टी प्रदेशभर में हरित वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण देना है। इस कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुनील पाटिल, प्रदेश उपाध्यक्ष जीतु माढ़ा, प्रदेश सचिव द्वारिकानाथ पांडे, दादरा नगर हवेली जिला पंचायत की अध्यक्षा निशा भावर, सिलवासा नगरपालिका अध्यक्ष सोमनाथ पाटिल, दमण नगरपालिका की अध्यक्षा दीपिका टंडेल, सिलवासा ग्रामीण जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक प्रधान, प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष डॉ. अवधेश सिंह चौहान, सभी काउंसिलरों, जिला पंचायत के सभी सदस्य, जिला एवं मोर्चा पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रदेश युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओ द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है।

TORRENT POWER | DNHDD

बिजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क रख़रख़ाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया हैं। निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों से ग्राहको को मिलने वाली बिजली सुबह ९:३० से शाम ५.०० बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
१७/०७/२०२६ शुक्रवार	दादरा	६६ केवी दादरा एसएस २० एमवीऐ टीआर - ३	एसपीजे नोवा आई.ई., गोल्ड ज्योति, श्रीजी आई.ई., ईलास्टी मोड, रीयल पार्थ आई.ई., डुग्गर, नेरो फ्लिक्स विस्तार और श्रद्धा आई.ई. विस्तार, सिलवासा-वापी रोड विस्तार, सांई कॉम्प्लेक्स विस्तार, दादरा गार्डन विस्तार, टाउन विस्तार, ब्लूस्टार गली और ग्लोमोर आई.ई., उद्योगी सेफ्टी गली, वलसाड फलिया, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर (सीएचसी दादरा), रतन पेट्रोल पंप क्षेत्र, जरिया मोरा, सिन्फेब - पृथ्वी **एक्सप्रेस फीडर : ११ केवी सिन्फेब एकसप्रेस फीडर**

असुविधा के लिए खेद है।

बिजली चोरी !! जेल की सजा !
(भारतीय विद्युत अधिनियम, २००३ की धारा १३५ के तहत)

जो कोई भी बेईमानी से अनधिकृत कनेक्शन लगाता है, मीटरों से छेड़छाड़ करता है या अनधिकृत उद्देश्यों के लिए बिजली का उपयोग करता है, उसे तीन साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अवैध बिजली कनेक्शन का उपयोग करने से बचें।

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)